विशाल इंडिया

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

सच्चाई की राह पर!

वर्ष: 13 | अंक: 219 | गौतमबुद्धनगर, रविवार 07 जुलाई 2024 | पृष्ठ : 08 मूल्य : 02 रुपये | आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236

P- 3

फ्रॉड करने वाली 9 महिला 2 पुरुष गिरफ्तार

P- 4

देवरिया : वकीलों की 18 वें दिन भी हड़ताल जारी, 18 जुलाई को होगी

P- 5

ब्रिटेन में लेबर पार्टी के सत्ता में आने के बाद जगी बड़ी उमीद

P- 6

पीसीबी को लग सकता है जोर का झटका, चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान

150 वकीलों ने चीफ जस्टिस को पत्र लिखा

एजेंसी

कहा- केजरीवाल की जमानत को रोका जाना चिंताजनक, ऐसा मामला अब तक नहीं देखा

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट और जिला कोर्ट्स के 150 वकीलों ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ को एक पत्र लिखकर दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल की जमानत रोके जाने पर चिंता जाहिर की है। वकीलों ने अपने पत्र में इसे 'अनोखी परंपरा' बताया है। उन्होंने कहा कि ऐसा वाकया भारतीय न्यायपालिका के इतिहास में पहले कभी नहीं देखा गया है। 9 पेज के लेटर में वकीलों ने कहा कि वकीलों ने कहा कि ट्रायल कोर्ट ने केजरीवाल को जमानत दे दी थी, लेकिन ईडी ने इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी और हाईकोर्ट ने जमानत के आदेश पर रोक लगा दी। यह पत्र चीफ जस्टिस को इस हफ्ते की शुरुआत में भेजा गया था।

पत्र लिखने वाले वकीलों में आम आदमी पार्टी की लीगल सेल के कई वकील भी शामिल हैं।

हाथरस भगदड़ : मुख्य आरोपी को 14 दिन की जेल

कोर्ट से दौड़ाकर बाहर लाई पुलिस, मुंह के बल गिरा देव प्रकाश मधुकर

एजेंसी

हाथरस। हाथरस भगदड़ के मुख्य आरोपी देव प्रकाश मधुकर को सीजेएम कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। कोर्ट में मीडिया का जमावड़ा था। पुलिस मीडिया से बचने के लिए मधुकर को पीछे के दरवाजे से दौड़ाकर बाहर लाई, तभी वह मुंह के बल गिर पड़ा। पुलिसकर्मियों ने उसे तेजी से संभाला और फिर दौड़ाते हुए जीप में बिठाकर ले गए। मधुकर और उसके एक अन्य साथी संजीव यादव को अलीगढ़ जेल भेजा गया है। सुबह 11 बजे पुलिस ने

मधुकर का जिला अस्पताल में मेडिकल कराया। बाहर निकला तो उसका मुंह अंगौछे से बंधा था।

मीडिया कर्मियों ने उससे कई सवाल पूछे, लेकिन देव प्रकाश ने कोई जवाब नहीं दिया। देव प्रकाश को शुक्रवार रात दिल्ली के नजफगढ़ से गिरफ्तार किया गया था।

एसपी निपुण अग्रवाल ने कहा- मधुकर फंड जुटाता था। कुछ समय पहले उससे राजनीतिक दलों ने संपर्क किया था।

अब जांच होगी कि पार्टियों ने फंडिंग तो नहीं की थी। उधर, बिहार के पटना में हादसे को लेकर बीजेपी नेता ने भोले बाबा पर केस दर्ज कराया है। हादसे के बाद शनिवार सुबह पहली बार भोले बाबा सामने आया। न्यूज एजेंसी से बातचीत में कहा- हम 2 जुलाई की भगदड़ की घटना से बहुत दुखी हैं। हमें विश्वास है कि जो भी उपद्रवी हैं, वो बख्शे नहीं जाएंगे।

कोर्ट परिसर में मुंह के बल गिरा मधुकर

हाथरस भगदड़ के मुख्य आरोपी देव प्रकाश मधुकर को सीजेएम कोर्ट ने 14 दिन के लिए अलीगढ़ जेल भेज दिया है। कोर्ट में मीडिया का जमावड़ा था। मीडिया के सवालों से बचने के लिए पुलिस देव प्रकाश को पीछे के दरवाजे से दौड़ाते हुए बाहर लाई। उसका चेहरा रूमाल से बंधा था। तभी मधुकर का पैर फिसला और वह मुंह के बल जमीन पर गिर पड़ा। पुलिसकर्मियों ने उसे तेजी से संभाला और फिर दौड़ाते हुए जीप में बिठाकर ले गए। पुलिस ने मधुकर के साथी संजीव यादव को भी कोर्ट में पेश किया था। उसे भी 14 दिन के लिए अलीगढ़ जेल भेज दिया गया है।

तमिलनाडु बसपा प्रदेश अध्यक्ष की घर के बाहर हत्या

6 बाइक सवारों ने चाकू-तलवारें मारीं, 8 संदिग्ध हिरासत में

चेन्नई। तमिलनाडु में बहुजन समाज पार्टी प्रदेश अध्यक्ष के. आर्मस्ट्रॉन्ग की शुक्रवार (5 जुलाई) की शाम उनके घर के बाहर छह हमलावरों ने हत्या का दी। पुलिस के अनुसार, 52 साल के आर्मस्ट्रॉन्ग शाम करीब 7 बजे चेन्नई स्थित सेम्बियम इलाके के वेणुगोपाल स्ट्रीट पर अपने घर के कुछ पार्टी कार्यकर्ताओं से बात कर रहे थे।

इसी दौरान दो बाइक पर सवार छह लोग आए और उन पर चाकू-तलवारों से हमला कर दिया। इसके बाद हमलावर भाग गए। आर्मस्ट्रॉन्ग गंभीर

रूप से घायल हुए थे। वहां मौजूद लोगों ने उन्हें अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने 8 संदिग्धों को हिरासत में लिया

पुलिस ने अब तक 8 संदिग्धों को हिरासत में लिया है। उनसे पूछताछ की जा रही है। घटना के बाद से चेन्नई में तनाव की स्थिति है। शनिवार (6 जुलाई) को सैकड़ों की संख्या में बसपा के कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने राजीव गांधी सरकारी अस्पताल के बाहर प्रदर्शन किया, जहां आर्मस्ट्रॉन्ग का शव पोस्टमॉर्टम के लिए रखा गया है।

रेलवे टेंडर में भ्रष्टाचार के मामले में सीबीआई का बड़ा एक्शन, डीआरएम समेत कई अधिकारी गिरफ्तार

नई दिल्ली। रेलवे टेंडर आवंटन में भ्रष्टाचार के मामले में सीबीआई ने बड़ा एक्शन लेते हुए सात लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें रेलवे के कई वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हैं। उन पर आरोप है कि रेलवे टेंडर आदि के एवज में 11 लाख रुपए की रिश्वत ली गई और काम कराने के बदले आभूषण भी दिए गए। समाचार एजेंसी ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के हवाले से बताया कि रेलवे टेंडर आदि में 11 लाख रुपये की रिश्वत लेने और काम कराने के एवज में दिए गए आभूषणों के मामले में दक्षिण मध्य रेलवे के गुंतकल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक, वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक , तत्कालीन वरिष्ठ मंडल इंजीनियर समन्वय को गिरफ्तार किया गया है।

कुलगाम में सुरक्षाबलों ने 4 आतंकी मार गिराए

एक जवान शहीद, एक घायल; दो जगह चल रही है मुठभेड़

कुलगाम। कश्मीर के कुलगाम में दो इलाकों में जारी मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 4 आतंकियों को मार गिराया है। शनिवार (6 जुलाई) की सुबह से सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस का ज्वाइंट ऑपरेशन जारी है। सुबह मुदरघम से सर्च ऑपरेशन शुरू हुआ था।

इस दौरान आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर गोलीबारी की थी, जिसमें एक जवान शहीद हो गया था। वहीं, फ्रिसल में चल रही मुठभेड़ में भी एक जवान गंभीर रूप से घायल हुआ है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

दोपहर होते-होते फ्रिसल गांव के चिंगम इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ शुरू हुई थी। शाम होते-होते 4 आतंकियों का एनकाउंटर कर दिया गया है। सेना के

अधिकारियों ने कहा ऑपरेशन अभी भी जारी है। फिलहाल मृतक आतंकियों की पहचान नहीं हो सकी है। बीते एक महीने (जून से 6 जुलाई तक) में सुरक्षाबल 10 आतंकियों का खात्मा कर चुके हैं। इनमें डोडा में 11-12 जून लगातार दो दिन दो हमले करने वाले आतंकी और उरी में घुसपैठ करने वाले आतंकियों का एनकाउंटर शामिल है। इधर, डोडा में जम्मू-कश्मीर के डीजीपी आर.आर. स्वैन ने डोडा जिले में गंडोह इलाके में 3 आतंकवादियों को मार गिराने वाले एसपीओ को नियुक्ति पत्र सौंपकर सम्मानित किया। स्वैन ने कहा कि जब पुलिस कर्मी जिसमें एसपीओ भी शामिल हैं, जनता को सुरक्षित रखने के लिए इस तरह काम करते हैं तो उन्हें प्रोत्साहित करने के लिए हम उन्हें कांस्टेबल के रूप में भर्ती करते हैं।

बारीश | **ऋषिकेश से बद्रीनाथ जाने वाला हाईवे बंद; असम में अबतक 62 की मौत**

उत्तराखंड में रेड अलर्ट : अमरनाथ यात्रा भारी बारिश के कारण रोकी गई

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश के कारण अमरनाथ यात्रा शनिवार (6 जुलाई) को रोक दी गई है। पवित्र गुफा तक जाने वाले पहलगाम और बालटाल, दोनों रूट पर कल रात से रुक-रुक कर बारिश हो रही है। यात्रियों को वापस उनके बेस कैंप भेजा जा रहा है। मौसम में सुधार के बाद यात्रा फिर से शुरू होगी।

29 जून से शुरू हुई अमरनाथ यात्रा 19 अगस्त को खत्म होगी। 3,800 मीटर ऊंचे गुफा मंदिर में अब तक 1.50 लाख से ज्यादा श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। हालांकि, अमरनाथ यात्रा शुरू होने के सातवें दिन यानी 5 जुलाई को ही बाबा बर्फानी अदृश्य हो गए हैं।

ऐसा पहली बार हुआ है। अब यहां आने वाले श्रद्धालुओं को पवित्र गुफा के ही दर्शन होंगे।

उत्तराखंड में भारी बारिश और लैंडस्लाइड के कारण डोलिया देवी (फाटा) में रुद्रप्रयाग से गौरीकुंड और ऋषिकेश से बद्रीनाथ जाने वाला नेशनल हाईवे 107 और 58 ब्लॉक हो गया है। सड़क पर जगह-जगह मलबा जमा है, जिसके कारण आवागमन बाधित है।

मौसम विभाग ने उत्तराखंड में आज भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। राज्य में 6-7 जुलाई के दौरान अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश होने की आशंका है। इस दौरान 64.5-115.5 एमएम से 115.5-204.4 एमएम तक बारिश हो सकती है।

असम में बारिश-बाढ़ से अब तक 62 की मौत, 3 लापता

असम में बारिश, बाढ़, तूफान और लैंडस्लाइड में जान गंवाने वालों का आंकड़ा 62 पहुंच गया है। 3 लापता हैं। बाढ़ के कारण 29 जिलों में 22 लाख लोग प्रभावित हैं। नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। काजीरंगा नेशनल पार्क में बाढ़ के कारण 77 जानवरों की मौत हो चुकी है। 94 जानवरों का अब तक रेस्क्यू किया गया है।

आईएमडी ने रविवार (7 जुलाई) के लिए 28 राज्यों- उत्तराखंड, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, सिक्किम, पश्चिम बंगाल, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, असम, महाराष्ट्र, गोवा, गुजरात, ओडिशा, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, झारखंड, राजस्थान, केरल, नगालैंड, त्रिपुरा, मिजोरम और त्रिपुरा में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य प्रदेश में आज से अगले तीन दिन तक भारी बारिश का अनुमान है। मौसम विभाग ने कहा है कि आज देश के 15 राज्यों में तेज बारिश होने की संभावना है।

हाथरस हादसा, पटना में भोले बाबा के खिलाफ केस

सिविल कोर्ट में बीजेपी नेता ने दर्ज कराया, भगदड़ में 123 लोगों की मौत हुई

पटना। यूपी के हाथरस कांड को लेकर सूरज पाल सिंह उर्फ भोले बाबा के खिलाफ पहला केस पटना में दर्ज कराया गया है। पटना के सिविल कोर्ट में सूरज पाल सिंह के खिलाफ बीजेपी नेता कृष्ण कुमार सिंह कल्लू ने केस दर्ज कराया है। सिविल कोर्ट के वकील रवि रंजन दीक्षित ने कहा कि हाथरस हादसे में 123 लोगों की मौत हुई है। इसको लेकर पहला केस पटना सिविल कोर्ट में दर्ज हुआ है। इसका केस नंबर

8438/24 और फाइलिंग नंबर 97/95 है। केस निचली अदालत में भारतीय न्याय संहिता के सेक्शन 109, 114 115, 303, 304 के तहत फाइल कराया गया है। केस दर्ज होने के बाद गवाही होगी और जब तक सजा नहीं होगी तब तक कोर्ट में मामला चलता रहेगा।

हैप्पी मॉर्निंग

संता अपने पड़ोसी दोस्त बंता से बोला, 'अबे आज सुबह तेरे कुत्ते ने मेरी किताब फाड़ दी।
बंता- मैं उसे अभी सजा देता हूं।
संता- रहने दे भाई, मैंने सजा दे दी है। बंता- हैरानी से, 'कैसे?'
संता- मैंने उसके कटोरे का दूध पी लिया।

शायरी

किसानो से अब कहाँ वो मुलाकात करते हैं,
बस रोज नये ख्वाबो की बात करते हैं!

अर्थसार

सेंसेक्स:
79,996.60
-53.07 (0.066%)
निफ्टी:
24,323.85
+21.70

मौसम

अधिकतम : 31 डिग्री से0
न्यूनतम : 26 डिग्री से
सूर्योदय सोमवार : 5 : 33
सूर्यास्त रविवार : 7 : 24

देह व्यापार में धकेली जा रहीं महिलाओं पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग हुआ सख्त

राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को जारी किया नोटिस

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने महिलाओं को देह व्यापार में धकेले जाने पर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को नोटिस जारी किए हैं। आयोग ने मीडिया रिपोर्ट पर स्वतः संज्ञान लेते हुए नोटिस जारी किए हैं जिनमें कहा गया है कि महिलाओं को आकर्षक नौकरी के अवसर देने के बहाने असामाजिक तत्वों द्वारा कथित तौर पर देह व्यापार के लिए मजबूर किया जा रहा है।

एनएचआरसी ने शुक्रवार को बयान में कहा कि इस तरह की रिपोर्ट

सत्य है, तो यह महिलाओं के जीवन, स्वतंत्रता, समानता और सम्मान से संबंधित गंभीर चिंता की बात है। एनएचआरसी ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों और पुलिस महानिदेशकों को नोटिस जारी कर महिलाओं को देह व्यापार में धकेलने वाले असामाजिक तत्वों से निपटने के लिए उठाए गए और प्रस्तावित कदमों पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

आयोग ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा और कल्याण के लिए देश में कई कानूनों के बावजूद, असामाजिक और आपराधिक तत्व समाज के कमजोर वर्गों, विशेषकर महिलाओं को निशाना बनाने में कामयाब हो जाते हैं।

नीट यूजी - पीजी काउंसलिंग कार्यक्रम घोषित नहीं

नयी दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की मेडिकल काउंसलिंग कमेटी ने अभी तक वर्ष 2024 के लिए राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) यूजी और पीजी की काउंसलिंग कार्यक्रम अभी घोषित नहीं किया है। मंत्रालय ने शनिवार को यहां बताया कि स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय के तहत चिकित्सा परामर्श समिति (एमसीसी) ने अभी तक वर्ष 2024 के लिए नीट यूजी और पीजी पाठ्यक्रमों की काउंसलिंग अनुसूची अधिसूचित नहीं की है।

मंत्रालय के अनुसार नीट यूजी और पीजी के लिए काउंसलिंग कार्यक्रम की घोषणा एमसीसी अपनी वेबसाइट पर परीक्षा प्रक्रिया पूरी होने और राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग की सीट बंटवारे को अंतिम रूप देने के आधार पर की जाती है। वर्ष 2024 के लिए एनएमसी यूजी और पीजी सीटों के लिए जुलाई के तीसरे सप्ताह तक यूजी सीट बंटवारे और अगस्त के मध्य तक पीजी सीट बंटवारे को अंतिम रूप दे देगा।

संपादकीय

देश के हित में बजट पेश करने की आवश्यकता

बजट किसी भी राष्ट्र की वित्तीय योजना और उसकी प्राथमिकताओं का आईना होता है। इसमें सरकार की आय और व्यय का विस्तृत खाका तैयार किया जाता है, जो देश की आर्थिक नीतियों को आकार देता है। एक सही बजट न केवल वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करता है, बल्कि समग्र सामाजिक और आर्थिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

जितेन्द्र चौधरी, प्रधान संपादक, विशाल इंडिया हिंदी दैनिक

आर्थिक विकास के लिए बजट का महत्व

बजट से देश की आर्थिक दिशा तय होती है। इसके माध्यम से सरकार विकास के विभिन्न क्षेत्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है। कृषि, उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य, और बुनियादी ढांचे जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में निवेश के लिए बजट की योजना बनाई जाती है। इससे न केवल इन क्षेत्रों का विकास होता है, बल्कि रोजगार के अवसर भी पैदा होते हैं, जिससे गरीबी कम करने में मदद मिलती है।

बजट की पारदर्शिता और जवाबदेही

पारदर्शिता और जवाबदेही एक अच्छे बजट की प्रमुख विशेषताएँ हैं। जनता को यह जानने का हक है कि उनके द्वारा दिए गए करों का उपयोग कैसे और कहाँ किया जा रहा है। बजट प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने से भ्रष्टाचार कम होता है और जनता का सरकार पर विश्वास बढ़ता है।

संतुलित बजट की आवश्यकता

देश के हित में बजट का संतुलन बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। अगर सरकार का खर्चा उसकी आय से अधिक होता है, तो इसे वित्तीय घाटे के रूप में जाना जाता है, जो देश की आर्थिक सेहत के लिए अच्छा नहीं है। वित्तीय घाटे को नियंत्रित करने के लिए खर्चों में कटौती या नई आय स्त्रोतों की खोज करनी पड़ती है। संतुलित बजट से सरकार कर्जों के भार को कम कर सकती है और स्थायी आर्थिक विकास की दिशा में आगे बढ़ सकती है।

समाज के सभी वर्गों का समावेश

बजट बनाते समय समाज के सभी वर्गों का ध्यान रखा जाना चाहिए। विशेषकर, कमजोर वर्गों, ग्रामीण क्षेत्रों, और महिलाओं की आवश्यकताओं को बजट में प्राथमिकता दी जानी चाहिए। इससे न केवल सामाजिक समानता सुनिश्चित होती है, बल्कि व्यापक आर्थिक विकास भी होता है।

टैक्स नीति और बजट

कर नीति भी बजट का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होती है। एक न्यायसंगत कर नीति से राजस्व बढ़ता है और आर्थिक असमानता कम होती है। टैक्स चोरी और करों की चोरी पर सख्त कदम उठाना जरूरी है ताकि अधिक से अधिक राजस्व सरकार के पास आ सके और इसे जनहित के कार्यों में इस्तेमाल किया जा सके।

अंतर्राष्टीय व्यापार और बजट

ग्लोबलाइजेशन के इस युग में, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और वित्तीय नीतियाँ भी बजट में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। निर्यात को बढ़ावा देने और आयात को संतुलित रखने के लिए बजट में प्रोत्साहन योजनाएँ शामिल करनी चाहिए। इससे विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि होती है और देश की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है।

नई तकनीकों और नवाचार में निवेश

आधुनिक युग में तकनीकी नवाचार और अनुसंधान को प्रोत्साहित करना आवश्यक है। बजट में नए तकनीकी क्षेत्रों में निवेश के लिए प्रावधान करना चाहिए, जिससे देश की आर्थिक वृद्धि को गति मिलेगी और नए उद्योगों का विकास होगा।

पर्यावरण संरक्षण और बजट

आज के दौर में पर्यावरण संरक्षण भी बजट का एक महत्वपूर्ण पहलू बन गया है। जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिए बजट में पर्यावरणीय परियोजनाओं और हरित ऊर्जा में निवेश करना आवश्यक है।

निष्कर्ष

देश के हित में बजट तैयार करना एक जटिल प्रक्रिया है, जिसमें आर्थिक संतुलन, पारदर्शिता, और समाज के सभी वर्गों का ध्यान रखना आवश्यक है। एक सशक्त और संतुलित बजट से ही देश की आर्थिक वृद्धि और समग्र विकास सुनिश्चित हो सकता है। इसलिए, सरकारों को बजट प्रक्रिया को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए देश की आर्थिक नीतियों को जनहित में तैयार करना चाहिए।

सीमा पर गतिरोध

यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि चीन की साम्राज्यवादी नीतियां पूरे एशिया के लिये सिरदर्द बनी हुई हैं। चीन की विस्तारवादी नीतियों के चलते ही भारत से उसके संबंध अब तक सामान्य नहीं हो पाए हैं। लेकिन कजाकिस्तान में शंघाई सहयोग संगठन की बैठक के दौरान विदेश मंत्री एस. जयशंकर और उनके चीनी समकक्ष वांग यी के बीच हालिया बातचीत से दोनों देशों में संबंधों में सुधार की उम्मीद जगी है। दोनों विदेश मंत्री शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में इस बात को लेकर सहमत हुए हैं कि वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी और शेष मुद्दों के समाधान के लिये राजनयिक और सैन्य चैनलों के माध्यम से दोगुने प्रयास किये जाएंगे। निश्चय ही गतिरोध की मौजूदा स्थिति में इस घोषणा को नई उम्मीद मानना चाहिए। लेकिन हकीकत यह भी है कि हाल के वर्षों में पूर्वी लद्दाख में लंबे समय से जारी गतिरोध को दूर करने को लेकर भी बीच-बीच में ऐसे दावे कई बार किये गए हैं। बहरहाल, कजाकिस्तान में शंघाई सहयोग संगठन की बैठक के दौरान दोनों नेता इस बात को लेकर सहमत नजर आए कि द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने के लिये नई पहल की जानी चाहिए। निस्संदेह, भारत और चीन एशिया की बड़ी ताकतें हैं और दोनों देशों की लंबी सीमा एक-दूसरे से लगती है। यह भी निर्विवाद सत्य है कि हम अपने पड़ोसी नहीं बदल सकते, ऐसे में सहयोग और विश्वास के रिश्ते दोनों देशों व दक्षिण एशिया के विकास के लिये भी जरूरी हैं। समय की जरूरत है कि शांति और अमन-चैन के लिये बीते गतिरोध से निकलकर जमीनी स्तर पर कुछ ठोस करने के लिये आगे बढ़ा जाए। विगत में बातचीत के राजनयिक व सैन्य स्तर पर कई दौर चले हैं, लेकिन विडंबना यही है कि धरातल पर प्रगति होती नजर नहीं आई। अब विश्वास किया जाना चाहिए कि बदलते भू-राजनीतिक समीकरणों के बीच दोनों देशों की तरफ से संबंध सुधारने के लिये गंभीर प्रयास किये जाएंगे। निस्संदेह, चीन के छल-बल का लंबा इतिहास रहा है। भारत वर्ष 1962 के युद्ध के जख्मों को अभी तक नहीं भूला है। हालांकि, भारत राजनीतिक व सैन्य ताकत के रूप में उस दौर से कहीं आगे निकल गया है। यही वजह है दोनों देशों के बीच अविश्वास की कमी गाहे-बगाहे उभरकर आ ही जाती है। इसी विश्वास की कमी का उदाहरण सीमावर्ती गांवों में सैन्य उद्देश्य से किये जाने वाले विकास में भी नजर आता है। अरुणाचल को लेकर चीन द्वारा की जानी वाली घोषणाएं भारत को अक्सर असहज करती रही हैं।

मंडराने लगे हैं जल संकट के बादल

तनवीर जाफ़री

इसी वर्ष मई माह के मध्य में दक्षिण अफ़्रीक़ा से आई इस ख़बर ने पूरे विश्व को हिला कर रख दिया कि राजधानी केपटाउन को विश्व का पहला जलविहीन शहर घोषित किया गया है। 2018 की शुरुआत में ही कैपटाउन के लोगों को इस आशय की चेतावनी दे दी गयी थी। दरअसल यहां तीन वर्षों से लगातार पड़ने वाला सूखा इस ख़तरनाक स्तर तक पहुंच गया था कि फ़रवरी 2018 में ही डे-ज़ीरो के तहत सारे नलों से पानी की आपूर्ति बंद कर दी गई थी । उसी समय हालात ऐसे हो गए थे कि नागरिकों को सप्ताह में केवल दो बार नहाने का आदेश दिया गया था साथ ही शौचालय में फ़्लश के लिए टंकी के पानी का उपयोग करने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। आख़िरकार मई 2024 में इसी कैपटाउन को विश्व का पहला जलविहीन शहर घोषित कर दिया गया । अब यहाँ पुलिस व सेना की सुरक्षा में संचालित 200 जल आपूर्ति केंद्रों से केवल 25 लीटर पानी प्रति परिवार को दिया जा रहा है। भीषण जल संकट और इससे उपजी अराजकता के कारण सरकार ने यहां पानी के निजी इस्तेमाल की सीमा 87 से घटाकर 50 लीटर प्रतिदिन कर दी है। अब डे-ज़ीरो के तहत कैपटाउन में 75 फ़ीसदी घरों की पानी सप्लाई काट दी गयी है। यानी 10 लाख से ज़्यादा घरों को पानी मिलना बंद हो चुका है। यहां सिंचाई में भी पानी का उपयोग नाममात्र कर दिया गया है। इसी संकट के बीच समुद्र के पानी को साफ़ करने की कोशिशें भी की जा रही हैं और अब यहां नालों व नालियों के गंदे पानी को भी रिसाइकल किया जाना शुरू हो गया है।

तो क्या पूरा विश्व कैपटाउन जैसे जलसंकट का सामना करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है ? यदि कुछ दिन पहले जारी की गयी संयुक्त राष्ट्र की चेतावनी पर नज़र डालें तो संयुक्त राष्ट्र ने आगाह कर दिया था कि 2025 तक दुनिया के लगभग 1.20 अरब लोगों को स्वच्छ पेयजल मिलने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। और इस संकट की शुरुआत हो चुकी है। कुछ समय पूर्व सिलिकॉन वैली के नाम से मशहूर बेंगलुरु में जल संकट का समाचार मिला। 1 करोड़ 30 लाख आबादी वाले बेंगलुरु में अमीरों ग़रीबों को एक साथ हाथों में बाल्टियां लिये सूखे पड़े नलों व टैंकर्स के पास लम्बी क़तार लगाये देखा गया। यहाँ तक कि सरकारी अस्पतालों में हवा से पानी बनाने की मशीन लगानी पड़ी। परन्तु ऐसा लगता है कि यदि पृथ्वी वासी हम आम जनों ने पानी की बर्बादी करने वाली अपनी दिनचर्या न तो बदली और न ही जलसंरक्षण पर ध्यान न दिया। नतीजतन संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी यह चेतावनी कि 2025 तक दुनिया के लगभग 1.20 अरब लोगों को स्वच्छ पेयजल मिलने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा, यह सही साबित होने में अब ज़्यादा वक़्त लगता नज़र नहीं आता।

जल संकट मंडराने का दृश्य मैंने अपनी आँखों से पिछले दिनों अपनी सांगला (हिमाचल प्रदेश) की यात्रा के दौरान स्वयं महसूस किया। मैंने केवल बरसात के मौसम में ही नहीं बल्कि पूरे वर्ष पहाड़ों पर तेज़ धार से बहने वाले शीतल जल के अनगिनत झरने / चश्मे बहते देखे हैं। उन झरनों पर लगने वाली भीड़,लोगों को वहां खड़े होकर अपने वाहनों की धुलाई करते,नहाते,कपड़े धोते, मस्ती करते,फ़ोटो सेशन कराते और कहीं कहीं तो फ़िल्में शूट होते भी देखा है। इन्हीं जगहों पर कुछ ग़रीबों को मक्के की छल्ली बेचते,चिप्स,चाय कोल्डड्रिंक्स गोली टॉफ़ी बेचते भी देखा है। परन्तु अत्यंत दुखद है कि गत दो दशकों से झरनों के सूखने का यह सिलसिला आज यहाँ तक आ पहुंचा है कि वही अनगिनत झरने पूरी तरह सूखे पड़े हैं। ऊँची पर्वत श्रंख्लाओं पर इकट्ठी बर्फ़ पिघल चुकी है। ग्लेशियर सूखे पड़े हैं। गोया नदी जल का मुख्य स्त्रोत समझे जाने वाले अधिकांश पहाड़ी चश्मे सूख चुके हैं। झरना स्थलों पर सन्नाटा पसरा पड़ा है। पहाड़ों की हरियाली ख़त्म होती जा रही है। इसी संकट के परिणामस्वरूप देश की तमाम नदियां सूखती जा रही हैं।

मीठे पानी की कमी का दुष्प्रभाव हिमाचल प्रदेश जैसे जल स्त्रोत वाले प्रमुख राज्य में क्या देखना पड़ा यह मेरी आपबीती से समझ सकते हैं। शिमला के आगे फ़ागू घाटी के एक होटल में रुकने के लिये कमरा बुक करने के समय होटल मालिक ने साफ़ कह दिया कि %पानी की कमी है। सुबह को केवल फ़्रेश होने के लिये टंकी से पानी थोड़ी देर के लिये चलेगा परन्तु नहाने धोने के लिये पानी नहीं है। पीने के लिये बोतल का पानी उपलब्ध है। इसके बाद नारकंडा में स्थित एकमात्र सुलभ शौचालय जलरहित थाऔर बदबू फैली हुई थी। रामपुर के निकट कार में तेल डलवाने के बाद जब पम्प कर्मचारी से शौचालय के बारे में पता किया तो वह बोला कि शौचालय तो ज़रूर है परन्तु पानी नहीं है।

और इंतेहा तो तब हुई जब सांगला में जहाँ ठहरे थे वहाँ भी पानी का काल पड़ा हुआ था। जबकि सामने कलकल करती बसपा नदी बह रही थी। अपने जीवन के किसी पहाड़ी दौरे में पानी के काल का व्यक्तिगत अनुभव हासिल करने का यह पहला मौक़ा था जिसने भविष्य के संभावित जलसंकट की याद दिलाकर अत्यंत विचलित व चिंतित कर दिया।

ग्लोबलवार्मिंग के दुष्प्रभाव के कारण इसका कोई तात्कालिक जादुई समाधान तो नज़र नहीं आता परन्तु प्रत्येक व्यक्ति व सरकारों को इस दिशा में कुछ न कुछ कोशिश तो करनी ही चाहिये। बढ़ते प्रदूषण को रोकने के लिये पूरे विश्व को पूंजीवाद का मोह छोड़ मानवता के प्रति प्रेम दर्शाते हुये प्राकृतिक संतुलन बनाने की दिशा में सख़्त क़ानून बनाकर कड़े क़दम उठाने चाहिये। ग़ौरतलब है कि विकास के नाम पर पूंजीवाद पेड़ों की कटान कर समतल ज़मीन चाहता है जबकि प्रकृति अधिक से अधिक वृक्षारोपण चाहती है। वृक्षारोपण को तो प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन का हिस्सा मान लेना चाहिये। हर इंसान को शादी,पार्टी ,मरना,सालगिरह,विवाह वर्षगांठ,बरसी आदि हर ग़म ख़ुशी व त्यौहार के अवसर पर वृक्षारोपण ज़रूर करना चाहिये। इसी तरह पूंजीवाद अधिक से अधिक वाहनों की बिक्री में दिलचस्पी रख प्रदूषण को बढ़ाने में भागीदार होता है जबकि प्रकृति प्रदूषणमुक्त वातावरण चाहती है। इसके अतिरिक्त वर्षा जल को संचित करने के लिये सूखे पड़े तालाबों को गहरा करने व अधिक से अधिक नये नये तालाब खोदने की ज़रुरत है। इससे जल संग्रहण भी होगा और आसपास का भूगर्भीय जलस्तर भी सुधरेगा। नवनिर्मित होने वाले मकानों में बारिश में छतों का पानी संचित करने के लिये एक पाइप ज़मीन में डालने की प्रक्रिया (लैंड रिचार्जिंग सिस्टम) को अनिवार्य किया जाना चाहिये। समय रहते यदि हमने जलसंरक्षण के उपाय नहीं किये तो यक़ीन जानिये वह दिन दूर नहीं जब हम अपने बच्चों को भीषण जलसंकट के वातावरण में छोड़ कर जाने के लिये मजबूर होंगे। क्योंकि जल संकट के बादल भारत सहित पूरे विश्व में मंडराने लगे हैं।

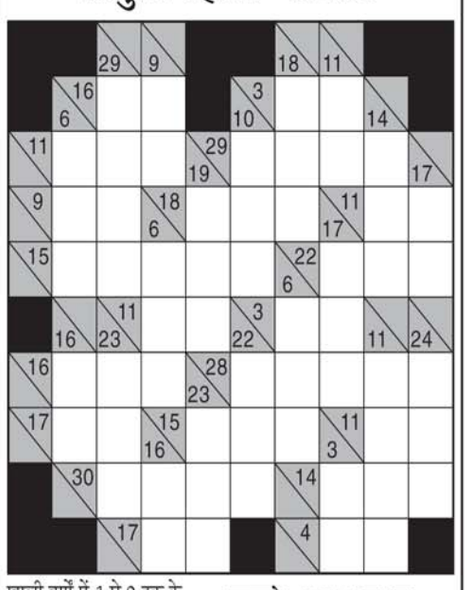

टाईम पास

काकुरो पहेली - 3235

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

काकुरो - 3234 का हल

हंसी के फूव्वारें

मां: स्कूल कैसा लगा मुन्नी ?

मुन्नी: अच्छा तो लगा, पर वहां मास्टर साहब मुझसे वे ही सवाल पूछते हैं जिनका मुझे जवाब मालूम नहीं होता.

अध्यापक(राजेश से): गर्मियों में होने वाला कौन-सा फल खट्टा, मीठा और चटपटा होता है.

राजेश: सर, परीक्षाफल.

वकील: तो तुम जानते हो कि तुमने श्याम लाल के कान पर छुरा मारा था.

अभियुक्त: सरकार, कान पर तो भूल से लग गया मैं तो उसे उसके गले पर मारना चाहता था.

एक दोस्त: यार, इस मोटे लैंस के चश्में में तुम बिलकुल उल्लू दिखाई देते हो.

दूसरा: अगर मैं चश्मा उतार दूं तो तुम मुझे बिलकुल गधे दिखाई दोगे.

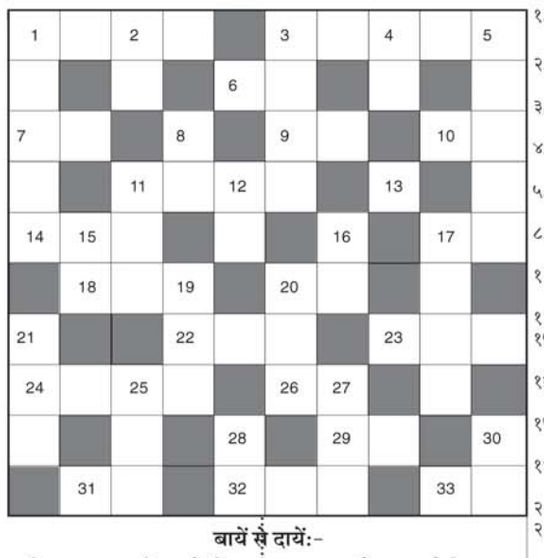

एक बच्चे ने अपनी मां से जाकर पूछा- आखिर तुम मुझे स्कूल क्यों भेजती हो ?

तुम जैसे नटखट बच्चों को इंसान बनाने के लिए, मां ने कहा.

बच्चा झट से बोला-लेकिन मास्टरजी तो मुर्गा बनाते हैं.

फिल्म वर्ग पहेली - 3235

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, अक्षय, करिश्मा की 'दिल लगाने की' गीत वाली फिल्म-२,२
३. 'आते आते तेरी' गीत वाली संजयदत्त, अनिताराज की फिल्म-२,१,२
६. दिलीपकुमार, निम्मी की 'आग लगी तन मन में' गीत वाली फिल्म-२
७. 'धक धक करने लगा' गीत वाली अनिलकपूर, माधुरी की फिल्म-२
९. 'कमसिन कली हूँ' गीतवाली फिल्म-२
१०. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की रामगोपाल वर्मा निर्देशित फिल्म-२
११. राजेश खन्ना, शबाना की 'दिन महीने साल' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'उगंली में अंगूठी' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१
१४. गोविंदा, रवीना की 'तेरे प्यार ने ये क्या' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'दोस्तों तुम सबको' गीतवाली अनिल, जैकी, टीना, हेमा की फिल्म-२
१८. नायक सुनीलदत्त वाली फिल्म 'मिलन' की नायिका कौन थी-३
२०. 'सनी' में अमृता सिंह का नायक-२
२२. अशोक, मधुबाला की 'मुश्किल है बहुत मुश्किल' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'तुन्ना तुन्ना तक तक तुन्ना' गीत वाली संजयदत्त, अनिताराज की फिल्म-३
२४. सुनील शेट्टी, रवीना टंडन की 'बप्पा मोरिया' गीत वाली फिल्म-४
२६. 'ऐ दिल कहाँ तेरी मंजिल' गीतवाली देव आनंद, माला की फिल्म-२
२९. दीनो मोरिया, बिपाशा बसु की 'तुम अगर सामने' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिरोज खान, संजय, मुमताज की फिल्म-२
३२. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या की 'तेरी उम्मीद तेरा' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'मेरा कँगना झाँझर चूड़ी' गीत वाली सुनील शेट्टी, रंभा की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. जीतेंद्र, रेखा की 'मैं ने कह दी तूने सुन ली' गीत वाली फिल्म-२,३
२. 'दिलबर दिलबर' गीत वाली अनिल कपूर, शिल्पा, करिश्मा की फिल्म-२
३. 'सच कहते हैं हम' गीत वाली अक्षय कुमार, करिश्मा की फिल्म-४
४. 'तेरा जादू चल गया' में अभिषेक के साथ नायिका कौन थी-२
५. 'सुन सजना तेरे' गीत वाली मिथुन, जयाप्रदा, ममता कुलकर्णी की फिल्म-५
८. सलमान खान, रेवती की 'साथिया तूने क्या किया' गीत वाली फिल्म-२
११. फिल्म 'कालीचरण' में 'लॉयन' के नाम से कौन प्रसिद्ध हुआ-३
१२. 'इस टूट दिल की पीर' गीतवाली फिल्म-२
१५. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
१६. फिल्म 'प्यार दिवाना होता है' में गोविंदा के साथ नायिका -२
१७. मिथुन, संगीता बिजलानी की 'नाले नाले में चली' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
२०. फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
२१. १९४२ ए लव स्टोरी' के गीत 'क्यों नये लग रहे हैं' की गायिका कौन ?-३
२५. फिल्म 'अमर प्रेम' में नायिका कौन थी-३
२७. 'छू कर मेरे मन को' गीत वाली फिल्म-३
२८. धर्मेन्द्र, सायरा 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
३०. संजय खान, डैनी, जीनत की 'उलझन सुलझे ना' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3234

सूडोकु -3235

6	9			7	4		8	
	8	5	6	2			4	9
7						6		3
	3	9	5				1	
1				8				5
	6				2	9	3	
4		7						2
8	2			5	9	1	7	
	1		2	3			5	8

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3234 का हल

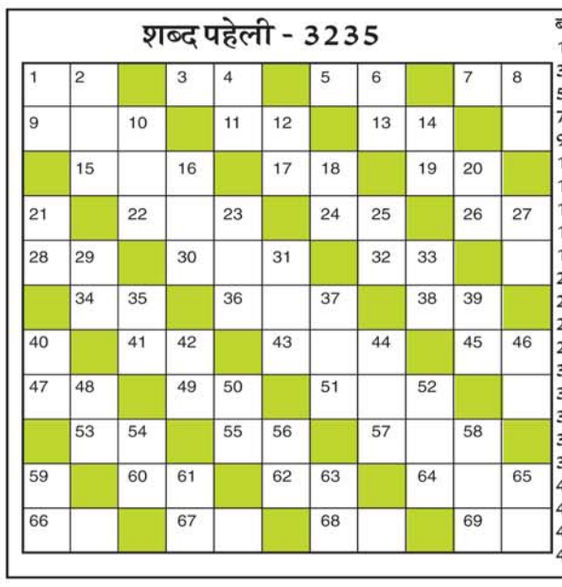

6	5	3	9	1	7	2	8	4
9	1	8	2	6	4	3	7	5
7	4	2	5	3	8	1	9	6
3	7	1	6	9	2	4	5	8
8	6	9	1	4	5	7	2	3
5	2	4	8	7	3	9	6	1
2	9	5	4	8	1	6	3	7
4	3	6	7	5	9	8	1	2
1	8	7	3	2	6	5	4	9

शब्द पहेली - 3235

बाएँ से दाएँ

1.बलगम-2
3.जाप,मंत्र पाठ-2
5.काया,बदन-2
7.ठाठ-बाट-2
9.गिरावट,अवनति-3
11.बुरी आदत-2
13.सदं,अच्छा-2
15.बंदर-3
17.अपशिष्ट पदार्थ-2
19.थोड़ा-2
22.दबाना,कुचलना-3
24.शारीरिक ऊंचाई-2
26.आम जनता-2
28.पिता के पिता-2
30.पक्षाघात,फालिज-3
32.मनमौजी,अलमस्त-2
34.नवीन-2
36.लोच-3
38.गाड़ी,घोड़ागाड़ी-2
41.बीता हुआ दिन-2
43.लेखनी,पेन-3
45.अधर-2
47.रांझा की प्रेमिका-2
49.अप्सरा,परी -2
51.गर्भ,कोख-3
53.दंड,शिक्षा -2
55.पाश,फंदा-2
57.परखना-3
60.वोट,अभिप्राय-2
62.हत्या-2
64.तिरस्कृत-3
66.शराब-2
67.उद्देश्य-2
68.टूंटी,नलका-2
69.आनंद-2

ऊपर से नीचे

1.प्याला-2
2.धर्म आदेश-3
4.क्षण,लमहा-2
6.गगन,आकाश-2
8.सरुर,खुमार-2
10.पति की बहन-3
12.अंधकार-2
14.शर्म,लज्जा-2
16.पासों से भविष्य जानने की विद्या-3
18.भाग्य (अंग्रेजी-2)
20.रहस्य-2
21.कुर्बान-2
23.अनुकृति-3
25.जोर,बल-2
27.नाखून-2
29.दक्षिणा-2
31.पढ़ने वाला-3
33.परत-2
35.भैंस जैसा एक प्राणी-2
37.झगड़ा-3
39.भूमि,धरा -2
40.राहगीर-2
42.रक्त-2
44.मां का प्रेम-3
46.दम-2
48.आनंद-2
50.छुट्टी-2
52.झगड़ना-3
54.प्याला-2
56.प्यार-2
58.असफल-3
59.यमराज-2
61.पैंदा-2
63.संपत्ति-2
65.सम्राट-2

शब्द पहेली -3234 का हल

नोएडा बिल्डिंग बायलॉज 2010 में किया जाएगा संशोधन

डेटा सेंटर, आईटी/आईटीईएस, ईवी इंडस्ट्री, ग्रुप हाउसिंग के मानकों को करेंगे शामिल, तीनों प्राधिकरण में होगा लागू

नोएडा। नोएडा में अभी तक 2010 में प्राधिकरण की तरफ से बनाए गए बिल्डिंग बायलॉज लागू हैं। यह बायलॉज फ्लोर एरिया रेशियो (एफएआर) पर आधारित था। इसमें यह देखा जाता था कि प्लॉट कितना बड़ा है और कितना निर्माण हो सकता है। इसके बाद उसी आधार पर नक्शा प्राधिकरण पास कर देती है।

अब भारतीय मानक ब्यूरों (बीआईसी) की ओर से तैयार बिल्डिंग बायलॉज 2023 का अध्ययन किया जाएगा। ऐसे में नोएडा बिल्डिंग बायलॉज 2010 में संशोधन किया जाएगा। जिसे तीनों प्राधिकरण में लागू किया जाएगा। दरअसल नोएडा में बिल्डिंग बायलॉज एनबीसी 2005 के आधार पर तैयार की गई है। एनबीसी 2005 को साल 2016 में संशोधन किया गया। भारत सरकार द्वारा मॉडल बिल्डिंग बायलॉज को भी 2016 में संशोधन किया गया। बीतें कई सालों में और ज्यादा संशोधन किए गए। जिसके लिए नोएडा बिल्डिंग बायलॉज 2010 में व्यापक संशोधन की आवश्यकता है। यही नहीं भारतीय विकास ब्यूरो में बिल्डिंग बायलॉज में 190 परिभाषाएं दी है। जबकि नोएडा बिल्डिंग बायलॉज 66 परिभाषा दी गई है।

नए बिल्डिंग बायलॉज में खिड़की से लेकर वेंटिलेशन के लिए ऐग्जास्ट लगाने तक के मानक व परिभाषा तय कर प्राधिकरण को बताए गए हैं। ग्रुप हाउसिंग में फ्लोर एरिया रेश्यो भी घटाने की सुझाव दिया गया है। ऐसा होने पर इमारतों की ऊंचाई कम होगी। 200 पेज से ज्यादा की एक किताब नए बायलॉज की तैयार कर प्राधिकरण को सौंपी गई है। अब प्राधिकरण नए प्रस्तावित नियमों का अध्ययन कर रही है। यह सभी नियम नोएडा को ध्यान में रखकर बनाए गए हैं।

नए बिल्डिंग बायलॉज की जरूरत मौजूदा इंडस्ट्री व हाउसिंग ट्रेंड में बदलाव को देखते हुए पड़ी है। अब डेटा सेंटर, आईटी-आईटीएस, ईवी-व्हीकल जैसे उद्योगों के लिए अलग-अलग नीतियां आ चुकी हैं। लेकिन बिल्डिंग बायलॉज वहीं पुराने है। ईवी की इंडस्ट्री उसी तरह से नहीं बनाई जा सकती जैसे नट बोल्ट या अन्य पुरानी इंडस्ट्री बनी हुई है। इसके साथ ही प्लॉट पर निर्माण के लिए नक्शा पास करने के मानक सेटबैक, ग्राउंड कवरेज, एफएआर, ग्रीन एरिया, ओपन एरिया, लैंड यूज समेत अन्य मानक भी परिभाषित हो गए हैं।

तीनों प्राधिकरण की कम्बाइंड समिति करेगी अध्ययन

भारतीय मानक ब्यूरों (बीआईसी) की ओर से तैयार बिल्डिंग बायलॉज 2023 का अध्ययन करते हुए नोएडा बिल्डिंग बायलॉज को संशोधित करने के लिए नोएडा के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी की अध्यक्षता में तीनों प्राधिकरण नोएडा, ग्रेटरनोएडा और यमुना विकास के प्रशासनिक, नियोजन, परियोजना और विधि विभाग के अधिकारियों की समिति का गठन किया जाना प्रस्तावित है। इस प्रस्ताव को बोर्ड में शामिल किया जाएगा।

समिति में एसीईओ नोएडा होंगे अध्यक्ष

अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी ग्रेटरनोएडा और यीडा में एक सदस्य। मुख्य विधि सलाहकार नोएडा, ग्रेटरनोएडा और यीडा में एक सदस्य। वित्त नियंत्रक नोएडा, ग्रेटरनोएडा/यीडा में एक सदस्य। महाप्रबंधक सिविल नोएडा, ग्रेटरनोएडा और यीडा में एक सदस्य। महाप्रबंधक नियोजक नोएडा ग्रेटरनोएडा और यीडा में एक सदस्य।

ये होंगे बदलाव

नोएडा में आने वाले दिनों में बनने वाली बहुमंजिला आवासीय इमारतों की ऊंचाई उतनी नहीं होगी जितनी कि पहले की बनी हुई है।

ग्रुप हाउसिंग में बगैर सुविधाएं विकसित किए बिल्डर फ्लैट में कब्जा नहीं दे पाएंगे।

प्लॉट पर जो नए मकान बनेंगे वहां दो मकानों के बीच की दीवार पर छत नहीं डाली जा सकेगी।

प्लॉट में सेट बैक का हिस्सा तकरीबन चारों तरफ छोड़ना होगा।

सर्विस प्लान देने के बाद पास होगा नक्शा

ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्ट में फ्लैट बायर्स की बहुत सी शिकायतें और समस्याएं यह रहती हैं कि बिल्डर ने सभी जरूरी सुविधाएं विकसित किए बगैर ही कब्जा दे दिया। कहीं पार्किंग अधूरी रहती है तो कहीं क्लब हाउस व फायर सेफ्टी के इंतजाम नहीं रहते हैं। कुछ जगह एसटीपी तक नहीं बना होता है।

नोएडा में क्यूआर कोड बदलकर डॉक्टर से ठगी

3 साल में 10 लाख से ज्यादा की धोखाधड़ी, पुलिस ने 2 को किया अरेस्ट

नोएडा। फर्जी क्यूआर कोड बनाकर डॉक्टर की करीब 10 लाख रुपए फीस को अपने खाते में लेने वाले आरोपी और उसके साथी को साइबर क्राइम थाने की टीम ने गिरफ्तार किया। 24 फरवरी को पीड़ित डॉक्टर ने आरोपी महेश कुमार को नामजद करते हुए सेक्टर-58 थाने में केस दर्ज कराया था।

आरोपियों की पहचान आगरा के मलपुरा निवासी संजय कुमार और एटा के बरौली निवासी अजय कुमार के रूप में हुई है। मुख्य आरोपी महेश अभी भी पुलिस की पहुंच से दूर है।

10 लाख से अधिक की है रकम

फरवरी में पुलिस को दी शिकायत में चौड़ा गांव निवासी डॉक्टर अजय अग्रवाल ने बताया था कि वह बीते 3 साल से सेक्टर-61 में अग्रवाल क्लिनिक चला रहे हैं। एक दिन पता चला कि उनके यहां काम करने वाला महेश कुमार मरीजों से मिलने वाली फीस को फर्जी क्यूआर कोड से अपने खाते में ले रहा है।

पुलिस ने जब महेश से कड़ाई से पूछताछ की तो उसने बताया कि वह अपने मेडिकल रिप्रजेंटेटिव्स जीजा के साथ मिलकर फर्जीवाड़ा कर रहा था। ठगी की रकम 10 लाख से भी अधिक है।

3 साल से कर रहे थे काम

महेश और उसके जीजा संजय बीते 3 साल से ऐसा कर रहे थे। केस सेक्टर-58 से साइबर क्राइम थाने में ट्रांसफर हुआ था। पूछताछ में संजय ने बताया-वह लंबे समय से एमआर का काम कर रहा है। 2022 में वह डॉ. अजय अग्रवाल व मोनिका अग्रवाल के क्लिनिक पर दवाइयों के प्रचार प्रसार के लिए जाता था। उसी समय उसने डॉ. अजय की क्लिनिक पर जांच के लिए अपने साले महेश को रखवा दिया गया था, जो उस समय उनके पास ही मकान में रहता था।

क्यू आर कोड बदलकर अपना कोड लगाया

पुलिस के मुताबिक- महेश ने क्लिनिक पर क्यूआर कोड को बदलकर अपना क्यूआर कोड लगा दिया। इससे शिकायतकर्ता की फीस उसके खाते में न जाकर दूसरे के खाते में जा रही थी। महेश व संजय ने धोखाधड़ी के पैसे को अजय कुमार कठेरिया के बैंक खाते में ट्रांसफर किया जाता था। रकम निकालकर तीनों आपस में बांट लेते थे। फरार आरोपी महेश की तलाश जारी है।

शार्ट न्यूज़

ईएसआई में एमआरआई जांच शुरू

नोएडा। ईएसआई अस्पताल में लंबे समय से एमआरआई जांच को लेकर बनी हुई दिक्कत खत्म हो गई है। नए तकनीशियन की तैनाती के बाद अब अस्पताल के वार्ड में भर्ती के अलावा इमरजेंसी के मरीजों की जांच हो पा रही है। वहीं ओपीडी के मरीजों के लिए अभी जांच के लिए वेटिंग ही बनी हुई है। निदेशक चिकित्सा डॉ. संगीता माथुर ने बताया कि एमआरआई जांच के लिए मशीन में कोई दिक्कत नहीं थी। छह में से केवल एक प्रशिक्षित तकनीशियन होने की वजह से जांच में दिक्कत आ रही थी। उसके भी छुट्टी होने पर जांच बिल्कुल बंद हो जाती थी। अब एमआरआई जांच नियमित हो गई है। एक और प्रशिक्षित तकनीशियन नियुक्त हो गया है। हालांकि अब भी छह में से चार पद खाली हैं। इसके बाद भी रोजाना करीब छह मरीजों की जांच अस्पताल में हो रही है। ओपीडी के जो मरीज इंतजार कर सकते हैं, उनको करीब 20 दिन बाद की तारीख दी जा रही है। अभी वार्ड में भर्ती या इमरजेंसी मरीजों की जांच की जा रही है। कोशिश है कि वेटिंग को पूरी तरह खत्म कर दिया जाए। इसके लिए सभी पदों पर नियुक्ति का प्रयास किया जा रहा है।

अवैध एसटीपी बनाने का विरोध

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो वेस्ट की गौड़ सिटी वन के 4 एवेन्यू के निवासियों ने एओए पर एसटीपी बनाने के लिए लाए गए सामान को नहीं हटाने का आरोप लगाया है। आरोप है कि स्वीकृत नक्शा में डी-टावर के नीचे एसटीपी नहीं है, लेकिन फिर भी एओए और बिल्डर बना रहे थे। शिकायत के बाद काम को रोक दिया गया, लेकिन अभी भी वहां से स्ट्रक्चर नहीं हटाया गया है। निवासियों का आरोप है कि लोहे के स्ट्रक्चर के पास बारिश का पानी भर जाता है। उससे करंट उतरने का खतरा बना रहता है। साथ ही किसी निवासी को चोट भी लग सकती हैं। बार-बार शिकायत के बाद भी स्ट्रक्चर हटाया नहीं जा रहा है। आरोप है कि एसटीपी को फिर से बनाया जा सकता है। प्राधिकरण से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की गई है। साथ ही डीएम को भी शिकायत दी है। वहीं एओए के अध्यक्ष अजय सिंह का कहना है कि पूर्व एओए ने एसटीपी के काम को हैंडओवर किया था। उसी को पूरा कराने का प्रयास किया गया, लेकिन जब पता चला कि नक्शे में एसटीपी नहीं है तो काम को रुकवा दिया गया। साथ ही प्राधिकरण से स्वीकृति मिलने के बाद ही एसटीपी का काम शुरू कराया जाएगा। एसटीपी बनाने का काम बिल्डर करवा रहा हैं। यह बिल्डर और निवासियों के बीच का मामला हैं।

हाईकोर्ट के पूर्व स्टेनो 20 साल बाद बरी

गाजियाबाद। गाजियाबाद कोर्ट ने 20 साल पुराने मुकदमे में इलाहाबाद हाईकोर्ट के रिटायर स्टेनो को बरी कर दिया। मुकदमा ट्रायल के दौरान हाईकोर्ट के वकील की मृत्यु हो चुकी थी। आरोप था कि इन दोनों ने हाईकोर्ट के जज की सूचना पुलिस को देकर गाजियाबाद में सरकारी प्रोटोकॉल लिया। आलीशान होटल में दो दिन रुककर मौज उड़ाई। पुलिस इतने सालों में इस मुकदमे से जुड़ा एक भी सबूत कोर्ट को नहीं दे पाई। वरिष्ठ अधिवक्ता उमेश भारद्वाज ने बताया, साल-2004 में गाजियाबाद नगर कोतवाली के इंस्पेक्टर ने आईपीसी सेक्शन-420, 170 में मदनलाल राय और सूर्यबली सिंह के खिलाफ एक एफआईआर दर्ज कराई। इंस्पेक्टर के मुताबिक, इन दोनों व्यक्ति ने उन्हें कॉल करके कहा कि इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस गाजियाबाद आ रहे हैं। उनके ठहरने की व्यवस्था की जाए और सरकारी प्रोटोकॉल दिया जाए। एफआईआर में लिखवाया गया कि ये दोनों व्यक्ति गाजियाबाद के शिप्रा होटल में दो दिन तक रुके। गलत तरीके से सरकारी प्रोटोकॉल लिया, जबकि ये दोनों जज नहीं थे। इस तरह दोनों ने सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग किया।

गाजियाबाद में चार साइबर अपराधी गिरफ्तार

गाजियाबाद। गाजियाबाद पुलिस ने शनिवार को चार ऐसे लोगों को गिरफ्तार किया है, जो साइबर अपराधियों को फर्जी आईडी पर मोबाइल सिम उपलब्ध कराते थे और बैंक खाते खुलवाकर देते थे। साइबर अपराधी इन्हीं सिम से कॉल करके फ्रॉड की घटनाएं देशभर में करते थे। पकड़े गए आरोपी फैसल उर्फ फैजू निवासी गोरखपुर, जानी उर्फ अक्षत कुमार निवासी दिल्ली, विशेष सैनी उर्फ विश्वास उर्फ सुंदर निवासी सदर बाजार दिल्ली और गौरव कुमार निवासी नोएडा एक्सटेंशन हैं। नंदग्राम थाना पुलिस ने इनसे 5 मोबाइल, दो आधार कार्ड, पेन कार्ड, तीन डेबिट कार्ड, एयरटेल कंपनी के 70 सिम सहित अन्य डॉक्यूमेंट्स बरामद किए हैं। इन चारों आरोपियों की गिरफ्तारी नंदी पार्क के नजदीक से हुई है। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे फर्जी आईडी सिम खरीदकर उन्हें एक्टिवेट कराते हैं और नोएडा एक्सटेंशन में रहने वाले गौरव कुमार को दे देते हैं। इसी तरह फर्जी आईडी पर बैंक खाते खुलवाने में शाहरा दिल्ली निवासी हनी इस गैंग की मदद करता है।

गाजियाबाद में 115 रेन वाटर हार्वेस्टिंग शुरू

गाजियाबाद। गाजियाबाद नगर निगम इस बार मानसून को लेकर 115 जगह रेन वाटर हार्वेस्टिंग शुरू की है। जिससे भू-जल के स्तर को बढ़ाया जा सके। मेयर सुनीता दयाल ने जलकल के अधिकारियों के साथ बैठक की है। मेयर ने बताया कि रेन वाटर हार्वेस्टिंग से ग्राउंड वाटर लेवल बढ़ेगा। मेयर ने जनता से भी अपील की है कि सभी इसमें सहयोग करे। मेयर ने कहा कि गाजियाबाद नगर निगम शहर के जलस्तर को लेकर कहीं रेन वाटर हार्वेस्टिंग तो कहीं तालाब का काम चल रहा है। मेयर ने बैठक में नगर निगम क्षेत्र में लगभग 115 रेन वाटर हार्वेस्टिंग को लेकर चर्चा की। जिसमें से वसुंधरा ज़ोन में 26, मोहन नगर ज़ोन में 19, कविनगर ज़ोन में 26, विजय नगर ज़ोन में 23 और सिटी ज़ोन में 21 लगे हुए है। जिसकी लिस्ट मेयर सुनीता दयाल ने सभी पार्षदों को व्हाट्सएप से दे दी है। साथ सभी को रेन वाटर हार्वेस्टिंग का निरीक्षण करने को कहा है। सभी जलकल अधिकारियों को भी बैठक में निर्देश दिए है। उन्होंने कहा- पार्षद रेन वाटर हार्वेस्टिंग को सुचारु करने में आनाकानी करे तो उस पर कार्रवाई होनी चाहिए।

लिफ्ट में फंसकर युवक की मौत

गाजियाबाद। गाजियाबाद के थाना नंदग्राम क्षेत्र के राजनगर एक्सटेंशन में निर्माणाधीन बिल्डिंग की लिफ्ट में फंसकर एक मजदूर की मौत हो गई। मृतक युवक की उम्र 30 साल थी जो जिला वैशाली बिहार का रहने वाला था। पुलिस ने युवक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। एसीपी नंदग्राम रवि कुमार सिंह ने बताया की गाजियाबाद के थाना नंदग्राम के राजनगर एक्सटेंशन में बन रही हितैषी हाइट बिल्डिंग की लिफ्ट में फंसकर एक मजदूर की मौत हो गई। पहचान करने पर मजदूर का नाम सोनू दास पुत्र भातू दास उम्र 30 वर्ष पता चला है। सोनू यहां पर 5 महीने से मजदूरी कर रहा था जो की मूल रूप से जिला वैशाली बिहार का रहने वाला था। पुलिस की जांच में सामने आया है की सोनू माल वाहक लिफ्ट में ईट ले जा रहा था। इस दौरान जब वह लिफ्ट से ईट उतर रहा था तब अचानक से लिफ्ट चल गई।

घर से सटे तारों की की चपेट में आने से मासूम का हाथ कटा

दनकौर। मंडपा गांव में घर से सटकर जा रहे बिजली के तारों की चपेट में आने से सात वर्षीय बच्चे का हाथ कटकर जमीन पर गिर गया। घायल को ग्रेटर नोएडा के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से उसे दिल्ली के लिए रेफर किया गया है। बताया जा रहा है कि घायल बच्चे की हालत नाजुक बनी हुई है। बिजली निगम के उच्च अधिकारियों ने मामले में जांच के आदेश दिये हैं। ग्रामीणों का कहना है कि बिजली निगम की लापरवाही के कारण चार दिन के अंतराल में यह दूसरा हादसा है। हापुड़ के निडोरी गांव निवासी सात वर्षीय बच्चा अल्तमश अपनी मां के साथ दनकौर क्षेत्र के मंडपा गांव में मामा के घर आया हुआ था। शनिवार को हल्की बूंदाबांदी के बाद वह छत पर खेलने के लिए चला गया। ग्रामीणों ने बताया कि घर की छत से सटकर हाईटेंशन लाइन जा रही है। पिता नौशाद ने बताया कि खेलते समय उनका बेटा तारों में उतरे करंट की चपेट में आकर झुलस गया। घटना के दौरान ही कोहनी के पास से उसका हाथ कटकर जमीन पर गिर गया। बाद में घायल को ग्रेटर नोएडा के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन अधिक झुलसने के कारण उसका हाथ कंधे से हटाना पड़ गया। ग्रामीणों का कहना है कि गांव में अधिकांश घरों की छत से सटकर जर्जर हाईटेंशन लाइन गुजर रही है।

नोएडा में अवैध निर्माण हटाने गई टीम से हाथापाई

नोएडा। नोएडा के हाजीपुर के खसरा नंबर-412 पर अवैध निर्माण को रोकने गई प्राधिकरण टीम के साथ मारपीट की गई। प्राधिकरण कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि अतिक्रमण कर्ता ने पहले अपने ऊपर डीजल डाला और बाद में हमारे दो प्रबंधक के ऊपर डीजल फेंका।

प्राधिकरण के वर्क सर्किल-8 के अवर अभियंता ने इस मामले की शिकायत थाना सेक्टर-39 पुलिस से की है। एसीपी प्रथम प्रवीण सिंह ने बताया कि प्राधिकरण के कर्मचारियों पर डीजल डालने की बात गलत है। प्राधिकरण से मिली शिकायत पर एक्शन लिया जाएगा। दरअसल हाजीपुर में खसरा नंबर-412 प्राधिकरण की अर्जित और कब्जा प्राप्त भूमि है। मास्टर प्लान 2031 के अनुसार ये नियोजित भूमि है। प्राधिकरण ने अपनी शिकायत में बताया कि सुनील त्यागी, नवीन नेहरा, मनोज नेहरा द्वारा इस जमीन पर कब्जा किया जा रहा है।

यहां अवैध निर्माण किया जा रहा है। इस संबंध में प्राधिकरण ने पांच बार क्रमश: 17 अगस्त 2022, 18 सितंबर 2023, 9 अक्टूबर 2023, 29 नवंबर 2023 के अलावा 12 जनवरी 2024 और 3 जुलाई 2024 को पुलिस से अवगत कराया गया।

इसके बाद भी इन लोगों की ओर से अवैध निर्माण किया जा रहा है। समय समय पर यहां अवैध निर्माण रुकवाया गया। लेकिन रातों रात यहां फिर से निर्माण कर लिया गया। शनिवार को वर्क सर्किल-8, भू लेख विभाग और स्थानीय पुलिस के साथ उक्त खसरा नंबर पर गए।

ग्रेटर नोएडा में वाहन चोर गिरोह का खुलासा

बाल अपचारियों की रेकी के बाद चोरी करते थे बाइक, दो आरोपी गिरफ्तार

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा की दादरी थाना पुलिस ने एक बड़े ही शातिर वाहन चोर गिरोह का खुलासा किया है।

इस दौरान पुलिस ने दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। वहीं दो बाल अपचारियों को भी पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है। इन लोगों के कब्जे से 10 चोरी की बाइक बरामद हुई है। अभी कुछ दिन पहले ही दादरी थाने पर अलग-अलग जगह से दो-तीन मोटरसाइकिल चोरी होने के मामले सामने आए थे। इस मामले में पुलिस ने एक टीम का गठन किया और चोरों की तलाश में वह टीम जुट गई। जगह-जगह पर लगे हुए सीसीटीवी फुटेज, इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस और गोपनीय सूचना के आधार पर पुलिस ने इस मामले में अहम जानकारी इकट्ठा की और उसके आधार पर दादरी के रहने वाले लकी और निखिल को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान दो बाल अपचारियों को भी पुलिस अभिरक्षा में लिया गया।

पुलिस ने जब इन लोगों से पूछताछ की तो इन्होंने खुलासा किया कि यह नोएडा, गाजियाबाद और ग्रेटर नोएडा में एक दर्जन से ज्यादा चोरी की वारदातों को अंजाम दे चुके हैं। इस दौरान बताया गया कि बाल अपचारी मोटरसाइकिलों की रेकी किया करते थे और उसके बाद यह चारों मिलकर मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया करते थे।

अन्य जिलों में कम दामों में करते थे बिक्री

बाइक चोरी करने के बाद यह एक सुनसान जगह पर ले जाकर झाड़ियों में उन्हें छुपा दिया करते थे और फिर कम दामों में अन्य जिलों में ले जाकर उन्हें बेच दिया करते थे। फिलहाल पुलिस ने इन लोगों के कब्जे से 10 चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है। दादरी थाना प्रभारी सुजीत उपाध्याय ने बताया कि यह बड़े ही शातिर किस्म के चोर हैं। थाना क्षेत्र में अलग-अलग जगह से करीब 8 बाइक चोरी की गई हैं। फिलहाल इनके कब्जे से 10 मोटरसाइकिलों को बरामद कर दिया गया है। पकड़े गए दो बदमाशों पर काफी मुकदमे दर्ज हैं।

फ्रॉड करने वाली 9 महिला 2 पुरुष गिरफ्तार

लोन और पॉलिसी के नाम पर करते थे ठगी, झारखंड, बिहार, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक के लोगों से ठगी

नोएडा। लोन और बीमा पॉलिसी दिलाने के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले 11 लोगों को थाना सेक्टर-49 और सीआरटी टीम ने गिरफ्तार किया है। इसमें 9 महिलाएं और दो पुरुष शामिल है। इसके पास से 25 मोबाइल फोन, 81 डेटा शीट भी बरामद किया गया है। इन लोगों ने होशियारपुर के शर्मा बाजार में फर्जी कॉल सेंटर खोला था। वहीं से सभी को गिरफ्तार किया गया।

इनकी पहचान आशीष कुमार उर्फ अमित, जितेंद्र वर्मा उर्फ अभिषेक व 09 महिलाएं जिसमें निशा उर्फ स्नेहा, रेजू उर्फ दिव्या, लवली यादव उर्फ श्वेता, पूनम उर्फ पूजा, आरती कुमारी उर्फ अनन्या, काजल कुमारी उर्फ सुर्ती, सरिता उर्फ सुमन, बबीता पटेल उर्फ माही, और गरिमा चौहान उर्फ सोनिया हुई है।

डीसीपी क्राइम शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि ने आशीष कुमार उर्फ अमित ने होशियार पुर में कॉल सेंटर खोला था।

वहीं उसका संचालन भी कर रहा था। यहीं अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर एनसीआर को छोड़कर बाहरी राज्यों के लोगों को मोटी कमाई के लालच में लोन व बीमा के नाम पर धोखाधड़ी का काम करवाता था। बाकी लोग कमीशन पर काम करते थे। जो जितने क्लाइंट फंसाता था उसे उतना पैसा कमीशन कैश में मिलता था।

कर्नाटक के व्यक्ति का किराया पर लिया खाता

आरोपी ने बताया कि उसने फ्रॉड की रकम को ट्रांसफर करने के लिए पीएनबी बैंक का एक अकाउंट किराया पर लिया था। इसके लिए वो अरविन्द नाम के व्यक्ति को 10 रुपए प्रति महीना किराया देता था। उसका डेबिट कार्ड भी आरोपी के पास था। जैसे ही इसमें पैसे आ जाते है, एटीएम से जाकर पैसे निकाल लेता हूं।

कैनोपी से खरीदे सिम का करते थे प्रयोग

डीसीपी ने बताया कि ये लोग कैनोपी से मोबाइल सिम खरीदते थे। उनको एक्टिव करने के बाद सुबह आठ से रात 10 बजे तक एनसीआर क्षेत्र से बाहर कर्नाटक, बिहार, झारखंड और अन्य राज्यों के लोगों को फोन करते और उनको लैप्स पॉलिसी को दोबारा एक्टिव कराने और कम ब्याज पर लोन दिलाने का ऑफर देते थे। एक बार ग्राहक फंस जाए इसके बाद प्रोसेसिंग फीस के नाम पर ये लोग उनसे पैसे ट्रांसफर कराते थे। पैसे ट्रांसफर होते ही सिम बंद कर फेक देते थे। मिले पैसों के बंटवारे में बड़ी हिस्सेदारी जितेन्द्र व आशीष की होती है।

ऐसे बनाया फर्जी कॉल सेंटर

डीसीपी ने बताया कि आशीष दिल्ली यूनिवर्सिटी से बीकाम का छात्र रहा है। साल 2019 उसकी मुलाकात जितेंद्र से हुई। दोनों ही एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस में पालिसी बेचने का काम करते थे।

कुछ बड़ा काम किया जाये इस उद्देश्य से हमने कुछ लड़कियों को अपने साथ जोड़कर फर्जी कालिंग करके बीमा व लोन देने के नाम पर इंडिया मार्ट की साइट से 2500 रुपए में करीब 10 हजार लोगों का डेटा खरीदा। जिसे हम लगभग 01 से 1.5 साल से अलग अलग जगहों पर रहकर कर रहे थे।

नोएडा में बीच सड़क मारपीट, वीडियो वायरल

युवकों के साथ युवतियां भी शामिल, पुलिस को किया ट्विट, जल्द होगी कार्रवाई

एजेंसी

नोएडा। नोएडा में बीच सड़क पर मारपीट का एक वीडियो सामने आया है। इसमें युवतियों के साथ आए दो युवक बीच सड़क पर अन्य युवक को पीट रहे है।

ये वीडियो सेक्टर-49 की मुख्य सड़क का बताया गया। वहीं खड़े लोगों ने इसका वीडियो बनाया और नोएडा पुलिस को ट्वीट कर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने वीडियो का संज्ञान लेते हुए संबंधित थाना प्रभारी को कार्रवाई करने के निर्देश दिए है।

वीडियो एक मिनट से भी ज्यादा का है। इसमें साफ दिख रहा है दोनों युवतियों के साथ आए युवक दो अन्य युवक को पीट रहे है।

कुछ देर तक मारपीट के बाद दोनों युवतियां युवक को रोकने का प्रयास करती है। मामला यही नहीं थमता। इसमें एक लड़का जमकर गालीगलौज करता है और अपने साथी के साथ कार की तरफ बढ़ता है।

बाद में वहां खड़े लोग झगड़ा शांत कराते है। झगड़ा देख वहां मौजूद लोग रुकते है। इससे सड़क पर जाम की स्थिति बन गई है। वहीं खड़े किसी युवक ने पूरी घटना अपने मोबाइल में कैद कर ली।

जिसे पुलिस को टैग कर कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने वीडियो का संज्ञान लिया है। जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी। झगड़ा किस वजह से हुआ इसकी जानकारी की जा रही है।

धोखेबाज निकला प्रेमी, प्रेमिका ने दर्ज करवाया मुकदमा

ग्रेटर नोएडा। संवाददाताअयोध्या की रहने वाली एक महिला ने प्रेम विवाह करने के बाद अपने धोखेबाज प्रेमी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। आरोप है कि आरोपी ने शादीशुदा होने के बाद भी धोखे से उसके साथ प्रेम विवाह किया है। आरोपी प्रेमी की एक बच्ची भी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है।बिसरख कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक महिला ने पुलिस को बताया कि इटैड़ा गांव निवासी नितिन से उसने प्रेम विवाह किया है। महिला का आरोप है कि जब नितिन से उसकी मुलाकात हुई थी तो उसने खुद को अविवाहित बताया था। उसने खुद के शादीशुदा होने की बात छिपाई, जबकि उसकी एक बेटी भी है। महिला ने जब प्रेम विवाह किया तो उसे पता चला कि नितिन पहले से शादीशुदा है।

बच्ची से गलत हरकत करने वाले को 5 साल की कैद

ग्रेटर नोएडा। आठ साल पहले थाना सेक्टर-39 क्षेत्र में साढ़े चार साल की बच्ची से 10 रुपये का नोट दिखाकर गलत हरकत करने के आरोपी दिनेश अवस्थी को अपर सत्र विशेष न्यायाधीश (पाक्सो एक्ट) सौरभ द्विवेदी ने पांच साल का कठोर कारावास और 10 हजार रुपये जुर्माना अदा करने की सजा सुनाई है। जुर्माना

अदा नहीं करने पर एक महीने की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। सहायक शासकीय अधिवक्ता चवन पाल सिंह ने बताया कि सन 2016 में थाना क्षेत्र निवासी केले की ढकेल लगाता था। क्षेत्र में वह किराए के मकान में रहता था। घटना वाले दिन उसकी साढ़े चार वर्ष की बच्ची पास में ही खेल रही थी। आरोपी इटावा निवासी दिनेश ने बच्ची को 10 रुपये का नोट दिया और गलत इरादे से कमरे में ले गया। वह गलत हरकत कर रहा था कि बच्ची की चीख पुकार सुनकर अन्य लोग और परिवार के लोग मौके पर आ गए। दरवाजा अंदर से बंद था। दरवाजा खुला तो आरोपी भाग गया और बच्ची रो रही थी। बच्ची का मेडिकल परीक्षण कराया गया और आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया। मेडिकल रिपोर्ट में गलत इरादे से छेड़खानी करने की पुष्टि हुई।

मेरठ में युवक की गोली मारकर हत्या

चचेरी बहन से बात करने से रोका तो दो युवकों ने की वारदात, कनपटी में दागी 2 गोली

मेरठ। मेरठ के सरधना के भामौरी गांव में शुक्रवार शाम 21 साल के कृष्णा सोम की सरेआम गोली मारकर हत्या कर दी गई। हत्या की वजह चचेरी बहन के पीछे पड़े लड़के हैं। बताया जा रहा है कि चचेरी बहन को गांव का युवक मोहित परेशान कर रहा था। कृष्णा ने मोहित को बार-बार रोका वो बहन से बात करना बंद कर दे। मोहित नहीं माना इसी से बौखलाकर उसने दोस्त सौरभ संग मिलकर कृष्णा को गोली मार दी। घायल कृष्णा ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। कृष्णा सोम शुक्रवार की शाम लगभग 6 बजे गांधी आश्रम के सामने हाते में बैठा था। उसी समय उसके पास मोहित और सौरभ दोनों आए। तीनों में किसी बात पर कहासुनी हुई। इसके बाद कृष्णा जाने लगा। तभी मोहित, सौरभ ने उसका पीछा किया। कृष्णा एक दुकान पर कुछ सामान लेने के बाद लौटने लगा। तभी मोहित, सौरभ ने उसे वहीं गोली मार दी।

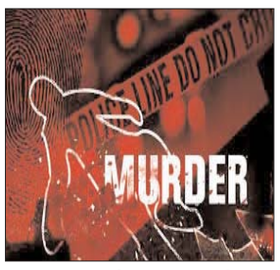

दो युवकों ने कनपटी में मारी दो गोली

कृष्णा की कनपटी में एक गोली मोहित तो दूसरी सौरभ ने मारी। गोली लगने से घायल कृष्णा खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर पड़ा। ये देखकर मोहित, सौरभ दोनों मौके से तुरंत फरार हो गए। जल्दबाजी में उनकी चप्पल वहीं छूट गई। खून से लथपथ कृष्णा को परिवार के लोग उठाकर सीएचसी ले गए, यहां से उपचार कराने के बाद जिला अस्पताल लाए। यहां से आनंद अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। वहां पर जाते ही डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

झांसी में युवक ने किया सुसाइड

झांसी। झांसी में एक युवक ने सुसाइड कर लिया। वह दस दिन पहले ही तमिलनाडु से लौटा था। रात को घर पर मोबाइल छोड़ गया। फिर बड़े भाई का नंबर लिखकर जेब में रखा और ट्रेन के आगे कूदकर सुसाइड कर लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक की तलाशी ली तो जेब से नंबर मिला। इस पर फोन कर भाई को सूचना दी गई। अब पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। पूरा मामला सीपरी बाजार थाना क्षेत्र का है। युवक का नाम बबलू रायकवार (30) पुत्र श्रीप्रसाद था। वह सीपरी बाजार के आर्य कन्या इंटर कॉलेज के पास रहता था। मृतक के बड़े भाई देवी प्रसाद ने बताया कि बबलू तमिलनाडु में प्राइवेट काम करता था। करीब दस दिन पहले ही वह घर लौटा था। तब से वह डिप्रेशन में था। शुक्रवार रात को वह घर से टहलने के लिए निकला था। अपना मोबाइल घर पर छोड़ गया। काफी देर तक वह लौटकर नहीं आया तो उसकी तलाश शुरू की। लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। परिजन रातभर बबलू को तलाशते रहे। सुबह घर से करीब डेढ़ किलोमीटर वर्मा हेल्थ क्लब वाली गली के पास रेलवे पटरी पर बबलू की लाश पड़ी थी। सूचना पर पुलिस पहुंच गई। युवक की तलाशी ली तो जेब से बबलू के भाई का मोबाइल नंबर, फोटो और अन्य सामान बरामद हुआ। पुलिस ने भाई को सूचना दी तो वह मौके पर पहुंच गया। लाश देखी तो बबलू की थी। भाई देवी प्रसाद का कहना है कि बबलू ने सुसाइड क्यों किया, इसकी जानकारी नहीं है। उसे घर पर किसी ने कुछ नहीं कहा।

शार्ट न्यूज

डीआईजी ने सदर तहसील उरई में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में सुनी शिकायतें

ललितपुर। झांसी,पुलिस उपमहानिरीक्षक, झाँसी परिक्षेत्र, झाँसी कलानिधि नैथानी द्वारा जनपद जालौन के सदर तहसील उरई में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में आये हुए फरियादियों की समस्याओं को सुनकर उनके त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया ।राजस्व, भूमि विवाद के मामले में थाना पुलिस व राजस्व की संयुक्त टीम के द्वारा स्थलीय निरीक्षण कराकर विवादों का नियमानुसार त्वरित एवं वैधानिक निस्तारण कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया है।मौके पर टीम को स्थलीय निरीक्षण के लिये रवाना भी किया गया। डीआईजी झॉसी द्वारा सम्पूर्ण समाधान दिवस में आयी हुई जनशिकायतों के निस्तारण हेतु थाना पुलिस को सम्बन्धित विभाग से समन्वय स्थापित करते हुए संयुक्त टीम बनाकर पीडितों की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए गए। इसके उपरान्त शासन द्वारा चलाये जा रहे *वृक्षारोपण अभियान ''एक पेड़ मां के नाम'' * के तहत डीआईजी झॉसी महोदय द्वारा उरई तहसील परिसर में वृक्षारोपण कर अभियान को सफल बनाये जाने हेतु अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने हेतु प्रेरित किया गया।

रेलवे जेई व एसएसई के कल्याण हेतु बैठक

महेश सिंह विशाल इंडिया

लखनऊ। शनिवार को अखिल भारतीय रेलवे इंजीनियर्स फेडरेशन की केन्द्रीय कार्यकारिणी की बैठक आर.के. होटल, बिजनौर रोड, लखनऊ में की गई। इस बैठक में करीब 75 सदस्यों ने हिस्सा लिया जहाँ रेलवे जेई व एसएसई के कल्याण एंव उनके विकास में व्याप्त चुनौतियों को लेकर चर्चा की गई। मौके पर कैलाश यादव राष्ट्रीय महासचिव, एसडी चतुर्वेदी राष्ट्रीय अध्यक्ष, रामौतार प्रसाद राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, शिवकांत सिंह राष्ट्रीय संगठन सचिव, बी.पी. दास कार्यकारी अध्यक्ष, एचएस भदौरिया, ऐ.के. वर्मा, सुनील पांडे, आर.पी. शर्मा, आर.के. पांडे, सभी जोनल रेलवे के सचिव तथा अध्यक्षो ने इस बैठक में हिस्सा लिया।

अलीगढ़ के 28 गांवों में बाढ़ का खतरा

अलीगढ़। मानसून आने के साथ ही अलीगढ़ के बॉर्डर क्षेत्र के गांवों में फिर से बाढ़ का खतरा मंडराने लगा है। गंगा और यमुना का जलस्तर बढ़ने के कारण हर साल यह परेशानी आती है। जिसके चलते प्रशासन का आपदा विभाग एक्टिव हो गया है और लगातार गांवों में निगरानी की जा रही है। डीएम के निर्देश के बाद गांवों में बाढ़ चौकियां स्थापित कर दी गई हैं और लगातार जल स्तर पर नजर रखी जा रही है। पिछले सप्ताह जिलाधिकारी विखाख जी. ने अपनी टीम के साथ खैर तहसील के सीमावर्ती गांवों का निरीक्षण किया था। यहां हर साल यमुना नदी का जलस्तर बढ़ने के कारण बाढ़ की परेशानी आती है। अलीगढ़ में गंगा और यमुना नदियां जिले की सीमा के बाहर हैं। लेकिन बाढ़ आने पर इनका प्रभाव जिले के अंदर तक आता है और कई गांव बाढ़ से प्रभावित हो जाते हैं।

लखनऊ में झोपड़ी में लटकती मिली लाश

लखनऊ। लखनऊ के जानकीपुरम में इलाके में झुग्गी झोपड़ी संदिग्ध हालात मजदूर का शव लटकता मिला है। शव मच्छरदानी से बने फंदे से लटकता मिला। स्थानीय लोगों ने हत्या करके लाश लटकाने का आरोप लगाया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के मुताबिक जानकीपुरम के 60 फीटा रोड इलाके झुग्गी झोपड़ी बनी है। 55 वर्षीय पप्पू का शव झोपड़ी में ही लटकता मिला है। शनिवार सुबह स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। झोपड़ी के पास रहने वाले सौरभ का आरोप लगाया है कि झोपड़ी में सुसाइड करना संभव ही नहीं है। मृतक की लाश के पास खून बिखरा हुआ है। खून के धब्बे भी मौजूद हैं। सौरभ का कहना है कि जानकीपुरम 60 फीट रोड पर सरकार की जमीन पर अवैध झोपड़ी लगाकर सैकड़ों लोग रहते हैं। जिससे पूरी कॉलोनी बहुत परेशान है क्योंकि यहां गंदगी का अंबार लगा रहता है।आए दिन चोरियां भी होती हैं। तमाम शिकायतों के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं होती है।

ऑटो पर गिरा पेड़, सात घायल

अजीतमल। औरैया के अजीतमल कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत बाबरपुर फफूंद मार्ग पर बल्लापुर के पास एक ऑटो पर पेड़ गिरने से ऑटो में सवार सात लोग घायल हो गए। घायल अवस्था में सभी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अजीतमल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों की टीम ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल तीन लोगों को मेडिकल कॉलेज सैफई रेफर कर दिया। वहीं बताया जा रहा है ऑटो सवार सभी लोग कानपुर देहात से इटावा के लखना में स्थित कालका मंदिर में पूजा करने जा रहे थे। शनिवार की सुबह कानपुर देहात के रसूलाबाद थाना क्षेत्र के गांव गुरुबाई निवासी मोतीलाल (58) पुत्र राधा चरण, अंशु देवी (55) पुत्र कृष्ण प्रताप निवासी बहादुरपुर रसूलाबाद ऑटो से सचिन की शादी की पूजा करने इटावा जनपद के लखना में स्थित कालका मंदिर जा रहे थे।

मुरादाबाद में बारिश में घर गिरा, 2 बच्चों की मौत

अचानक भरभराकर गिरी कच्चे घर की छत, मलबे में दबे बच्चे

मुरादाबाद। मुरादाबाद में एक कच्चे मकान की छत गिरने से उसके मलबे में दबे दो बच्चों की मौत हो गई। हादसा मुरादाबाद के बिलारी थाना क्षेत्र के गांव भिड़वारी का है। जहां एक घर की छत गिरने से उसमें दबे दो बच्चों की दर्दनाक मौत हो गई।

हादसा सुबह करीब 8 बजे हुआ। बताया जा रहा है कि हादसे के समय दोनों बच्चे इकरा (12 साल) और शानिब (10 साल) नाश्ता कर रहे थे। दूसरे भाई बहन और मां दूसरे कमरे में थी।

अचानक भर भराकर छत नीचे गिर गई। जिसमें दोनों मलबे के नीचे दब गए। देखते ही देखते चीख पुकार मच गई। आस पास के लोग इकट्ठे हो गए और दोनों बच्चों को मलबे से बाहर निकाला गया। लेकिन तब तक दोनों बच्चे इकरा और शानिब दम तोड़ चुके थे। जिंदगी की आस में आनन फानन दोनों को अस्पताल ले जाया गया लेकिन डॉक्टर ने दोनों बच्चों को मृत घोषित कर दिया।

हादसे की जानकारी होते ही पुलिस प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। उपजिलाधिकारी बिलारी मनी अरोरा, पुलिस क्षेत्राधिकारी बिलारी ने मौके का निरीक्षण किया। बिलारी के विधायक मोहम्मद फहीम इरफान भी घटना स्थल पर पहुंचे और परिवार को ढांढस बंधाया।

बलरामपुर में तेंदुए ने किशोर पर किया हमला

बलरामपुर। बलरामपुर में किशोर पर तेंदुए ने हमला कर दिया, जिससे बालक बुरी तरह जख्मी हो गया। हमले के बाद तेंदुआ पास में स्थित गन्ने के खेत में घुस गया। तेंदुए के हमले से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। घायल बच्चे को PHC ले जाया गया है। वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची है। मामला बलरामपुर के थाना क्षेत्र लालिया के ग्राम कन्जेभरिया का है। यहां शौच के लिए जा रहे ज्ञानू (14) पर तेंदुआ ने हमला कर दिया, जिससे ज्ञानू घायल हो गया। किशोर ने बताया कि वह सुबह करीब 6 बजे खेत की तरफ जा रहा था तभी तेंदुआ ने हमला कर दिया। इससे उसे काफी चोट आई है। काफी शोरगुल के बाद तेंदुआ पास के ही गन्ने के खेत में जा घुसा।

देवरिया : वकीलों की 18 वें दिन भी हड़ताल जारी, 18 जुलाई को होगी वकीलों की महापंचायत

देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया में 19 जून को जनता दर्शन में जिलाधिकारी अखंड प्रताप सिंह और सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सिंहासन गिरी के बीच तकरार के बाद जिलाधिकारी के तबादले की मांग को लेकर अड़े वकीलों की हड़ताल के 18 वें दिन शनिवार को भी जारी रही और 18 जुलाई की यहां प्रदेश के वकीलों की महापंचायत होने जा रही है।

आज वकील सिविल कोर्ट बार एशोसिएशन के अध्यक्ष सिंहासन गिरी और कलेक्ट्रेट बार एशोसिएशन के अध्यक्ष संजय मिश्रा के नेतृत्व में हड़ताल के 18 वें दिन भी सैकड़ों की संख्या में वकील जिलाधिकारी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए तथा उनके तबादले की मांग को लेकर प्रदर्शन किये। इस दौरान वकील कचहरी चौराहे पर कुछ देर के प्रदर्शन कर अपना विरोध प्रगट किये।

सिविल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सिंहासन गिरी ने बताया कि आन्दोलन को और गति देने के लिए वकीलों की आम सभा की बैठक में तय किया गया है कि 18 जुलाई को देवरिया में यहाँ के जिलाधिकारी को यहां से हटाने के लिए वकीलों की महापंचायत कराने का निर्णय लिया गया है। जिसमें प्रदेश के करीब सभी बार के पदाधिकारी सामिल होंगे। इसके लिए प्रदेश के सभी बार एसोसिएशनों को पत्र भेजा जा रहा है।

उधर वकीलों का गुस्सा देवरिया के जनप्रतिनिधियों पर भी फूटने लगा है। वकीलों का कहना है कि वकील 18 दिन से जिलाधिकारी को यहाँ हटाने की मांग को लेकर शांतिपूर्ण ढंग से अपना आन्दोलन कर रहे हैं।

लेकिन यहां के जनप्रतिनिधि इस मुद्दे पर अभीतक मौन साधे हुए हैं। वकीलों का कहना है कि जनप्रतिनिधियों का इस मुद्दे पर मौन साधना सोचनीय विषय बनता जा रहा है और वकील जनप्रतिनिधियों को भी कोस रहे हैं।

प्रयागराज में सिर कूंचकर युवक की हत्या

रात में कुछ लोग बाइक पर बैठाकर ले गए, सुबह सड़क किनारे मिली लाश

प्रयागराज। प्रयागराज में नैनी के गंगोत्रीनगर में ईंट से सिर कूंचकर 26 साल के हरिश्चंद्र की हत्या कर दी गई। उसका शव शनिवार सुबह सड़क किनारे मिला।

परिवार वालों का कहना है कि एक दिन पहले ही कुछ लोग उसे बाइक पर बैठाकर अपने साथ ले गए थे। लेकिन, देर रात वापस न आने पर परिवार वाले घबरा गए। आज उसका शव पुलिस ने बरामद किया है। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है।

हरिश्चंद्र पुत्र जगदीश कुमार शाहजहांपुर जिले के पहाड़ीपुर विविया का रहने वाला था।

हरिश्चंद्र नैनी में किराए पर कमरा लेकर रहता था। साथ में उसकी पत्नी और साला भी रहते थे। शुक्रवार की देर रात कुछ लोग उसे बाइक पर बैठाकर ले गए थे। रात में वह घर नहीं लौटा तो खोजबीन शुरू हो गई।

शनिवार सुबह उसकी लाश घर से कुछ दूर पर सड़क के किनारे पड़ी मिली। उसके सिर पर गंभीर चोट के निशान मिले।

सिर और चेहरे को ईंट और पत्थर से कूंचा गया था। उधर से गुजर रहे लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी।

शव के पास से मिला मोबाइल

पति की मौत के बाद पत्नी मंजू का रो-रोकर बुरा हाल है। जिस जगह पर हरिश्चंद्र का शव बरामद हुआ, वहीं से पुलिस ने हरिश्चंद्र का मोबाइल बरामद किया।

इस मामले में पुलिस ने संदेह के आधार पर हरिश्चंद्र को साथ ले जाने वाले दो युवकों को भी हिरासत में लिया है।

छत के मलबे में दबकर बुजुर्ग महिला की मौत

मैनपुरी। मैनपुरी के थाना क्षेत्र के गांव में कच्चे मकान की छत तेज आवाज के साथ भरभरा कर गिर पड़ी। छत गिरते ही मकान में अंदर सोई वृद्ध महिला उसके नीचे दब गई। ग्रामीणों ने रेस्क्यू कर जब तक उसे बाहर निकला, तब तक उसकी मलबे के नीचे दबकर दर्दनाक मौत हो गई। जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने वृद्ध महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। ये हादसा करहल थाना क्षेत्र के गांव नगला मनू में हुआ है।

चंदौली में दो पर लगा गैंगस्टर

चंदौली। चंदौली के नौगढ़ थाने की पुलिस टीम ने जांच के दौरान हाईवे पर चोरी करने वाले चोरों के एक गिरोह को चिन्हित किया है। पुलिस ने गिरोह के सरगना सहित कुल दो लोगों के खिलाफ गैंगस्टर के तहत कार्रवाई की है। सभी आरोपी गिरोह बनाकर हाईवे पर चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे। फिलहाल मामला दर्ज करने के बाद पुलिस टीम आरोपियों की चल-अचल संपत्ति की जांच पड़ताल करना शुरू कर दिया हैं। जिसकी कुर्की की कार्रवाई को अमल में लाया जा सकता है। दरअसल, पुलिस अधीक्षक आदित्य लांगे ने शातिर अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का फरमान जारी किया हैं। उनके आदेश पर नौगढ़ थानाध्यक्ष जितेंद्र बहादुर सिंह ने हाईवे पर चोरी करने वाले गिरोह को चिन्हित करने के साथ ही दोनों के खिलाफ गैंगस्टर की कार्रवाई किया है। पुलिस के द्वारा आरोपियों की शिनाख्त शाहगंज थाना क्षेत्र के सुनील विश्वकर्मा उर्फ पिन्टू राम पांडेय उर्फ रामसुंदर के रूप में हुई हैं। जिनके खिलाफ चंदौली और सोनभद्र जिले में आधा दर्जन से अधिक गंभीर मामलों में मुकदमा हैं। इन्हीं मामले के द्वारा दौरान पुलिस ने गिरोह बनाकर घटनाओं को अंजाम देने के लिए गैंगस्टर की कार्रवाई किया है। पुलिस अधीक्षक आदित्य लांगे ने बताया कि दो शातिर अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई किया गया है।

आटा-चक्की के पट्टे में साड़ी फंसने से महिला की मौत

मैनपुरी। मैनपुरी में घर में चल रही आटा चक्की के पट्टे में उलझ कर महिला की मौके पर मौत हो गई। बताया जा रहा है कि महिला का पति आटा चक्की चला रहा था। महिला किसी काम को लेकर उसके पास गई थी, तभी अचानक उसकी साड़ी पट्टे में उलझ गई। इससे उसकी घटना स्थल पर मौत हो गई।

परिजन उसको दिखाने के लिए अस्पताल भी ले गए। यहां चिकित्सकों नें उसे मृत्यु घोषित कर दिया। जानकारी परिजनों को हुई तो परिवार में चीख पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

मामला थाना औंछा क्षेत्र के गांव नाहिल नगरिया का है। गांव निवासी जाहर सिंह घर में आटा चक्की लगाकर गेहूं का आटा बनाने का काम करते हैं। बीते शाम वह अपनी चक्की से गेहूं के आटा को पीस रहे थे, तभी उनकी पत्नी राम बेटी (50) किसी काम को लेकर उनके पास आई और उनके पास ही खड़े होकर बातचीत करने लगी। इसी दौरान उनकी साड़ी का पल्लू चलती हुई चक्की के पट्टे में उलझ गया। चक्की को जब तक बंद किया तब तक उनकी पत्नी की मौत हो चुकी थी।

वह महिला को गंभीर हालत में लेकर अस्पताल पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने उनको देखते ही मृत घोषित कर दिया।

मुरादाबाद में एक्सीडेंट में 3 दोस्तों की मौत

तीनों घर से कहकर निकले थे अभी आ रहे हैं, कुछ देर बाद मौत की खबर पहुंची

मुरादाबाद। मुरादाबाद में शुक्रवार देर रात नेशनल हाईवे पर हुए हादसे में बाइक सवार 3 दोस्तों की मौत हो गई। हादसा नेशनल हाईवे पर पाकबड़ा थाना क्षेत्र में हुआ। बताया जा रहा है कि तीनों दोस्त बाइक से घूमने निकले थे। घर से निकलते वक्त तीनों ने अपने घरों पर कहा था कि, अभी थोड़ी देर में आ रहे हैं। लेकिन घंटाभर बाद तीनों की मौत की खबर उनके घर पहुंची।

प्रियांशु शर्मा | प्रशांत शर्मा | कुलदीप सैनी

मुरादाबाद में हादसा शुक्रवार देर रात दिल्ली- लखनऊ हाईवे पर पाकबड़ा थाना क्षेत्र में विल्सोनिया स्कॉलर्स होम्स के पास हुआ। एक बाइक पर सवार 3 युवकों को रात में अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। तीनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। इंस्पेक्टर पाकबड़ा सतेंद्र कुमार का कहना है कि रात में करीब 12: 30 बजे हादसे की सूचना मिली थी। पुलिस मौके पर पहुंची तो तीन युवक बुरी तरह कुचले हुए पड़े थे। पास में एक बाइक पड़ी थी। टक्कर किस वाहन ने मारी, इसका पता नहीं चल सका है।

बारिश की वजह से पुलिस को घटना की जानकारी भी काफी देर बाद हुई। पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया है। घटना की सूचना मिलते ही तीनों के परिवारों में कोहराम मच गया। मरने वालों के नाम प्रियांशु, प्रशांत पंडित और कुलदीप हैं। तीनों दोस्त थे और तीनों ही मझोला थाना क्षेत्र में लाइनपार इलाके में चाऊ की बस्ती के रहने वाले हैं। इन तीनों के घर लाइनपार सूर्य नगर में पंचमुखी मंदिर त्यागी डेयरी के पास हैं। हादसे में जान गंवाने वाले प्रशांत शर्मा (25 साल) की बहन शिवानी शर्मा ने बताया कि शुक्रवार को रात करीब 11 बजे प्रशांत घर से कहीं जा रहा था। उसने टोका तो कहने लगा रेलवे स्टेशन तक जा रहा हूं अभी लौटकर आ जाऊंगा। अपने पिता राजेंद्र शर्मा के साथ किसी फैक्ट्री में काम करता है।

डीआईजी ने अपराध समीक्षा बैठक कर दिये निर्देश

आगामी त्यौहारों की तैयारियों को रखें दुरूस्त, नई परम्परा न हो शुरू : डीआईजी

ललितपुर। झांसी, पुलिस उपमहानिरीक्षक, झाँसी परिक्षेत्र, झाँसी कलानिधि नैथानी द्वारा जनपद जालौन की पुलिस लाइन उरई सभागार में जनपद प्रभारी, समस्त क्षेत्राधिकारी, व थाना प्रभारियों के साथ अपराध समीक्षा बैठक कर अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण हेतु प्रभावी कार्ययोजना बनाकर जनपद की कानून व्यस्था सुदृढ़ बनाये रखने हेतु विस्तृत चर्चा की गयी।आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के तहत कानून एवं शान्ति व्यवस्था सुदृढ बनाये रखने हेतु *विगत 10 वर्षों में हुई घटनाओं/विवादों का विवरण एवं उनके निराकरण हेतु की गई कार्यवाही की समीक्षा पूर्व से ही करके समस्त तैयारियों को दुरूस्त रखने हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए साथ ही आगामी त्यौहारों व आयोजनों में किसी भी प्रकार की नई परम्परा की शुरूआत न हो।

थाना प्रभारियों द्वारा धर्म गुरूओं के साथ पूर्व से ही पीस कमेटी की मीटिंग करके निरन्तर सम्पर्क स्थापित रखने के निर्देश दिये गए है।

डीआईजी झॉसी द्वारा बताया गया कि सोशल मीडिया पर पुलिस टीम द्वारा कड़ी निगरानी की जा रही है, यदि कोई व्यक्ति सोशल मीडिया पर सांप्रदायिक और भड़काऊ पोस्ट को बिना किसी जांच पड़ताल के शेयर करता है व किसी भी समाज विशेष के खिलाफ कोई टिप्पणी करता है या *किसी भी प्रकार की भ्रामक अफवाह फैलाता है, तो उसके विरुद्ध कड़ी वैधानिक कार्यवाही अमल में लाने के निर्देश दिये गये है। अपराध समीक्षा के दौरान लम्बित विवेचनाओं की समीक्षा कर विवेचनाओं के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु वांछित अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी, सम्मन/वारण्टों का अधिक से अधिक तामीला कराये जाने के कड़े निर्देश दिये गए है। शातिर, अभ्यस्त व हार्डकोर अपराधियों के विरूद्ध अधिक प्रभावी कार्यवाही करते हुए गुण्डा, गैंगस्टर एक्ट,जिलाबदर की कार्यवाही कराते हुये हिस्ट्रीशीट खोलें। सक्रिय गैंग का पंजीकरण करने और पुरस्कार घोषित, गैंगस्टर में वांछित अपराधियों की जल्द गिरफ्तारी करने के निर्देश दिये गये। 06 माह से अधिक लंबित विवेचनाओ की सूची बनाकर राजपत्रित अधिकारी विवेचको को अलग से समीक्षा कर विवेचनाओ के शीघ्र निस्तारण कराने के निर्देश दिए गये है ।

अपराधियों का सत्यापन कराने, गैंगस्टर एक्ट की धारा 14(1) के तहत अपराधियों द्वारा अपराध से अर्जित की गई चल-अचल संपत्ति का चिन्हीकरण कर जब्तीकरण की कार्यवाही करें ।

बरेली में लापता युवक का शव नहर में मिला

बरेली। बरेली के थाना भोजीपुरा क्षेत्र में एक युवक का शव नहर में मिलने से सनसनी फैल गई। युवक शुक्रवार को लापता हुआ था। आज युवक का शव मिला। परिजनों ने दोस्तों पर हत्या करने का आरोप लगाया है, पूरे मामले में पुलिस घटना की जांच पड़ताल कर रही है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बरेली के थाना भोजीपुरा क्षेत्र के गांव कंचनपुर निवासी वरुण (20 साल) पुत्र लल्ला सिंह परिवार का इकलौता था। वरुण की मां किरण ने बताया कि गांव निवासी 2 दोस्तों ने वरुण को बुलाकर ले गए थे। परिजनों का कहना है कि शराब पार्टी के बाद वरुण नहर में धक्का दे दिया। इससे उसकी मौत हो गई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। एसपी देहात मुकेश चंद मिश्रा का कहना है कि पूरे मामले में जांच की जा रही है। परिजनों ने दोस्तों पर शक जताया है। लेकिन डूबने से भी मौत हो सकती है। दोस्तों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस और भैंस -तस्करों में हुई मुठभेड़, दो के पैर में लगी गोली, तीन गिरफ्तार

ललितपुर । पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी सदर अभय नारायण राय के निकट पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में घटना के सफल अनावरण हेतु थाना जाखलौन पुलिस द्वारा थाना जाखलौन पर पंजीकृत मु0अ0सं0 127/2024 धारा 379 भादवि में वांछित अभियुक्तों जमील खां पुत्र मुहब्बत खां उम्र करीब 26 वर्ष नि0 मैलवाराखुर्द थाना कोतवाली सोहेल पुत्र वकील उम्र करीब 25 वर्ष नि0 सीपरी बाजार जनपद झांसी को पुलिस मुठभेड के दौरान गिरफ्तार किया गया तथा अभियुक्तगण कमलेश राठौर पुत्र रमेश शंकर उम्र करीब 23 वर्ष नि0 ग्राम रजवारा थाना कोतवाली जनपद ललितपुर बबलू अहिरवार पुत्र

पारीक्षित उम्र करीब 24 वर्ष वीरेन्द्र चौधरी पुत्र मुन्नाला उम्र करीब 22 वर्ष नि0गण ग्राम मैलवाराखुर्द थाना कोतवाली को ग्राम देवगढ से पहले गिरफ्तार किया गया है। वादी मुकदमा अनूप तिवारी पुत्र राकेश तिवारी नि0 बरौदा थाना जाखलौन ललितपुर द्वारा थाने पर तहरीर देकर अवगत कराया गया कि वाइस्तवा अभियुक्त समरोज पुत्र अज्ञात आदि चार अज्ञात नि0 ग्राम उत्तम धाना थाना जाखलौन द्वारा वादी की 15 नग भैंसे चोरी कर लेने के सम्बन्ध में सूचना दी गयी थी । सूचना के आधार पर थाना जाखलौन में सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया है । घटना के शीघ्र अनावरण हेतु क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में पुलिस टीमें लगायी गयी थी । थाना जाखलौन पुलिस को मुखबिर द्वारा सूचना दी गयी कि मुकदमा उपरोक्त से वांछित अभियुक्त ग्राम देवगढ के पास जंगलों में पिकप व बाइक लेकर छिपे हुए हैं सूचना के आधार पर थाना जाखलौन पुलिस द्वारा जंगल में जाकर वांछित अभियुक्तों की तलाश की जा रही थी तभी जंगल में घात लगाकर कुछ लोग बैठे थे जो पुलिस को देखकर भागने लगे और उनमे से दो लोगो 1.जमील खां व सोहेल खा द्वारा पुलिस टीम पर फायरिंग की गयी । पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ जबाबी फायरिंग की गयी जिसमें दोनों अभियुक्तों जमील खां व सोहेल खां उपरोक्त के पैर के घुटने के नीचे गोली लगी । गोली लगने से घायल अभियुक्तगणों को तत्काल पुलिस सुरक्षा में बेहतर उपचार हेतु जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है तथा भागे गये हुए अभियुक्तों कमलेश राठौर, बबलू अहिरवार, वीरेन्द्र चौधरी को मौके पर गिरफ्तार कर लिया गया है ।

यूक्रेन के ड्रोन हमले के बाद रूसी ईंधन टैंकों में लगी आग

मॉस्को । रूस में क्रास्नोडार क्षेत्र के तीन जिलों पर यूक्रेनी ड्रोन द्वारा किए गए हमले में ईंधन टैंकों में आग लगी, हालांकि इन हमलों में कोई घायल नहीं हुआ। मुख्यालय ने कहा पांच से छह जुलाई की रात में क्रास्नोडार क्षेत्र की कई नगर पालिकाओं में नागरिक सुविधाओं पर कीव शासन-येइस्की, लेनिनग्रादस्की और पावलोवस्की जिलों द्वारा हमला किया गया था। हवाई रक्षा द्वारा दुश्मन के ड्रोन को मार गिराया गया। ड्रोन के टुकड़े गिरने के परिणामस्वरूप एक सेल फोन टावर को मामूली क्षति दर्ज की गई। लेनिनग्रादस्काया की बस्ती में मानव रहित हवाई वाहन के टुकड़े गिरने के बाद एक तेल डिपो में ईंधन भंडारण टैंक में आग लग गई। मौके पर आपात्कालीन और सुरक्षा सेवाएं काम कर रही हैं।

तूफान बेरिल से 10 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित : संयुक्त राष्ट्र

जेनेवा। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय कार्यकर्ताओं ने बताया कि कैरिबियन में तूफान बेरिल से 10 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय (ओसीएचए) ने बताया कि सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस में तूफान से लगभग 40 हजार, ग्रेनेडा में 1 लाख 10 हजार से ज्यादा और जमैका में 9 लाख 20 हजार लोग प्रभावित हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, तूफान बेरिल से अब तक करीब 11 लोगों की मौत हुई है। तूफान वर्तमान में बेलीज और मैक्सिको को प्रभावित कर रहा है। कैरियाकू 70 प्रतिशत और पेटिट मार्टिनिक में 97 प्रतिशत इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं। सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस में यूनियन द्वीप पर 90 प्रतिशत घर प्रभावित हुए, जबकि कैनुआन द्वीप पर लगभग सभी इमारतों को नुकसान पहुंचा।

गाजा में इजरायल के ताबड़तोड़ हमले.... 87 लोगों की मौत

गाजा । गाजा में इजरायल के ताबड़तोड़ हमले देखने को मिल रहे हैं। पिछले 48 घंटों में इजरायली हमलों में करीब 87 लोगों के मारे जाने की खबर है। गाजा में स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया है कि 7 अक्टूबर से गाजा पर इजरायल के सैन्य हमले में करीब 38,098 फिलिस्तीनी मारे गए हैं और 87,705 अन्य घायल हुए हैं। एक रिपोर्ट में बताया गया कि पत्रकार अमजद जहजौह, उनकी पत्नी पत्रकार वफा अबू दबान और उनके बच्चे की नुसीरात शरणार्थी शिविर में इजरायली बमबारी में मौत हो गई है। जाहजौह और उसकी पत्नी की हत्या के साथ, 7 अक्टूबर को गाजा पर इजरायली युद्ध की शुरुआत के बाद से मारे गए फिलिस्तीनी पत्रकारों की संख्या 158 हो गई है।

यूक्रेन के ड्रोन हमले के बाद रूसी ईंधन टैंकों में लगी आग

मॉस्को । रूस में क्रास्नोडार क्षेत्र के तीन जिलों पर यूक्रेनी ड्रोन द्वारा किए गए हमले में ईंधन टैंकों में आग लगी, हालांकि इन हमलों में कोई घायल नहीं हुआ। मुख्यालय ने कहा पांच से छह जुलाई की रात में क्रास्नोडार क्षेत्र की कई नगर पालिकाओं में नागरिक सुविधाओं पर कीव शासन-येइस्की, लेनिनग्रादस्की और पावलोवस्की जिलों द्वारा हमला किया गया था। हवाई रक्षा द्वारा दुश्मन के ड्रोन को मार गिराया गया। ड्रोन के टुकड़े गिरने के परिणामस्वरूप एक सेल फोन टावर को मामूली क्षति दर्ज की गई। लेनिनग्रादस्काया की बस्ती में मानव रहित हवाई वाहन के टुकड़े गिरने के बाद एक तेल डिपो में ईंधन भंडारण टैंक में आग लग गई। मौके पर आपात्कालीन और सुरक्षा सेवाएं काम कर रही हैं।

ब्रिटेन के नामचीन शख्स ने फूंक दिया करोडों का बंगला

-इसकी वजह जानकर आप रह जाएंगे दंग

पेरिस । ब्रिटेन के रहने वाले एक करोड़पति और नामचीन शख्स ने अपने ही बनाए बंगले को आग की लपटों के हवाले कर दिया। इसके पीछे जो वजह थी, वो जानकर आप दंग रह जाएंगे क्योंकि आमतौर पर कोई ऐसा सोचता भी नहीं है। जानकारी के मुताबिक गोल्फर फ्रांसिस मैकगिर्क ने ये कांड किया है, वो 50 साल की पक्की उम्र में। अब इस सनकी काम के लिए वजह भी कुछ सनकी ही होगी। फ्रांसिस मैकगिर्क कोई ऐसे शख्स नहीं हैं, जिन्हें कोई नहीं जानता। वे जाने-माने गोल्फर रह चुके हैं और करोड़पति भी हैं। उनका केंट के सैंडविच में एक आलीशान बंगला है, जो सीधा समंदर की ओर फेस करता है। इस लग्ज़री प्रॉपर्टी को उन्होंने 25 जून को खुद अपने हाथों से आग के हवाले कर दिया। इस दौरान उनका फैमिली डॉग अंदर ही था। वो तो गनीमत रही कि पड़ोसियों ने तुरंत ही फायरफाइटर्स को कॉल किया और कुत्ते की जान बच गई। बंगले को भी ज्यादा नुकसान नहीं हुआ, पर सवाल ये उठा कि आखिर फ्रांसिस ने ऐसा किया क्यों? फ्रांसिस ने बंगले को आग लगाने से पहले अपनी पत्नी को मैसेज किया था कि वो घर को फूंकने जा रहे हैं। दरअसल उनकी पत्नी सराह से उनका तलाक का केस चल रहा था। ऐसे में उन्हें इस प्रॉपर्टी का हक न मिले, इसलिए फ्रांसिस ने इसे आग लगाकर फूंक दिया। पहले उन्होंने खाने वाले तेल से इसे फूंकना चाहा लेकिन बाद में कुशन के ज़रिये पूरे घर में आग लगा दी। जब ये मामला कोर्ट में पहुंचा तो जज भी वजह जानकर दंग थे। हालांकि फ्रांसिस को जेल नहीं हुई और उन्हें वॉर्निंग देकर छोड़ दिया गया। बता दें कि दुनिया में आपको तरह-तरह के लोग मिलेंगे। किसी का दिल बड़ा होता है और चीज़ों को बहुत आराम से सुलझाता है तो कोई ऐसा होता है कि छोटी-छोटी बातों में अपना आपा खो देता है। इस स्वभाव का अमीरी-गरीबी या पढ़े-लिखे और गैर पढ़े-लिखे होने से कोई नाता ही नहीं है।

काम के बोझ से नहीं मर सकता रोबो, -लोग लगा रहे कयास, रोबो खुदकुशी पर जांच है जारी

कैलिफोर्निया। जिंदा इंसान खुदकुशी करता है तो समझ में आता है कि अब उसके जीने के तमाम रास्ते बंद हो चले थे, इसलिए उसने यह कदम उठा लिया होगा, लेकिन रोबोट तो उतना ही काम कर सकता है, जितना कि उसे करने के लिए बनाया गया है। वैसे भी खुदकुशी करना तो जुर्म है। इसलिए रोबो को बनाने वालों ने खुदकुशी जैसा कोई फीचर उसमें सेट किया हो, कहा नहीं जा सकता। दरअसल रोबो के द्वारा खुदकुशी करने का मामला जब से सामने आया है, लोग तरह-तरह के कयास लगा रहे हैं और बयान दे रहे हैं। ऐसे ही कुछ लोगों का कहना है कि रोबोट ने खुदकुशी नहीं की होगी, बल्कि जिसने उसे आदेश दिया होगा, उसने ही उसे ऐसा करने पर मजबूर किया होगा। वैसे रोबो की खुदकुशी वाले मामले ने सभी के होश उड़ा दिए हैं। यह मामला दक्षिण कोरिया से सामने आया है। यहां एक रोबोट के खुदकुशी करने का मामला गर्माया हुआ है। सेंट्रल साउथ कोरिया में नगर पालिका ने बताया कि वह एक मामले की जांच करेगा, जिसमें रोबोट ने खुद को सीढ़ियों से नीचे गिरा कर खुदकुशी की है। एक रिपोर्ट के मुताबिक ये रोबोट नगर निगम के कार्यों में मदद करता था। नगर निगम टीम के एक अधिकारी ने बताया कि रोबोट करीब एक साल से गुमी शहर के निवासियों को प्रशासनिक कार्यों में मदद कर रहा था। वह बीते हफ्ते सीढ़ियों से नीचे निष्क्रिय अवस्था में पाया मिला यानी वो सक्रिय नहीं था। अधिकारी ने बताया कि चश्मदीदों ने रोबोट को गिरने से पहले इधर-उधर घूमते देखा था। मानो वह कुछ ढूंढ रहा यह गड़बड़ लगा। इन्होंने कहा कि घटना की परिस्थितियों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है. ऐसा माना जा रहा है कि रोबोट काम के कारण तनाव में था। अधिकारी ने आगे कहा कि रोबोट के पार्ट्स को एकत्रित कर लिया गया है और इसे बनाने वाली कंपनी इसका परीक्षण करेगी। एक अन्य अधिकारी ने खेद जताते हुए कहा, ये आधिकारिक तौर पर शहर की नगर पालिका का हिस्सा था और हममें से एक ही था। कैलिफोर्निया में बियर रोबोटिक्स द्वारा बनाया गया ये रोबोट सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक काम करता था और इसका अपना पब्लिक सर्विस कार्ड भी था। एक मंजिल तक सीमित अन्य रोबोट्स के विपरीत ये लिफ्ट को बुला सकता था और फ्लोर्स में ऊपर नीचे तक जा सकता था। स्थानीय अखबारों ने इस खबर को कवर पेज पर छापा है। एक की हेडिंग में पूछा गया है इस मेहनती पब्लिक सर्वेंट ने इस तरह का व्यवहार क्यों किया? या क्या रोबोट के लिए काम बहुत कठिन था। इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ रोबोटिक्स के मुताबिक दक्षिण कोरिया रोबोट के प्रति अपने आकर्षण के लिए जाना जाता है, जहां हर दस कर्मचारियों पर एक रोबोट है। यहां दुनिया में सबसे ज्यादा रोबोट्स हैं। बहरहाल लोग तो यही मान रहे हैं कि रोबो खुदकुशी नहीं कर सकता है, बल्कि उसे प्राग्राम करने वालों से गलती हुई है, जिससे वो समय से पहले ही मृतप्राय-हो गया।

मेडिसन में समर्थकों से मिलने के दौरान सेल्फी लेते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन।

मुझे भगवान ही राष्ट्रपति पद के चुनाव की दौड़ से बाहर कर सकते हैं

-बाइडन ने पहली बहस में खराब प्रदर्शन पर कहा-मैं बीमार था

वाशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए जो बाइडन ने डोनाल्ड ट्रंप के साथ हुई पहली बहस में अपने खराब प्रदर्शन की जिम्मेदारी स्वीकार कर ली और कहा कि वह बहस से पहले थके हुए और बीमार थे साथ ही बाइडन ने कहा कि केवल ''सर्वशक्तिमान भगवान'' ही उन्हें 5 नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव की दौड़ से बाहर कर सकते हैं। बाइडन ने यह बात एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में कही। अटलांटा में 27 जून को ट्रंप के साथ हुई बहस में खराब प्रदर्शन के बाद बाइडन की लोकप्रियता की 'रेटिंग' गिर गई है जिसके बाद उनकी पार्टी के ही कुछ नेताओं ने उनसे राष्ट्रपति पद के चुनाव की दौड़ से बाहर होने का आग्रह किया था। दूसरी बार राष्ट्रपति बनने का लक्ष्य लिए चुनावी मैदान में उतरे बाइडन ने ट्रंप पर झूठा होने का आरोप लगाया है। बाइडन ने अपनी पहली बहस में अपने खराब प्रदर्शन को लेकर कहा कि यह एक किसी गंभीर स्थिति का कोई संकेत नहीं था। मैं थक गया था। मैंने अपने मन की नहीं सुनी और यह एक बुरी रात थी। उन्होंने कहा कि मैं बीमार था। चिकित्सक मेरे साथ थे। मैंने उनसे पूछा कि क्या उन्होंने मेरी कोविड-19 संबंधी जांच की है। उन्होंने मेरी जांच की लेकिन मुझे संक्रमण नहीं हुआ था। मुझे सर्दी लग गई थी। बाइडन ने कहा कि बहस में उनके खराब प्रदर्शन में किसी और की नहीं बल्कि मेरी गलती थी। उन्होंने यह भी कहा कि डेमोक्रेटिक पार्टी के किसी भी प्रमुख नेता ने उनसे चुनाव से हटने के लिए नहीं कहा है।

ब्रिटेन में लेबर पार्टी के सत्ता में आने के बाद जगी बड़ी उम्मीद

भारत-ब्रिटेन में फाइनल हो सकती है फ्री ट्रेड डील

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन में लेबर पार्टी सत्ता में लौट आई है। कीर स्टार्मर ब्रिटेन के अगले प्रधानमंत्री बने हैं। उन्होंने डेविड लैमी को विदेश सचिव (विदेश मंत्री) बनाया है। वह भारत और ब्रिटेन के द्वीपक्षीय संबंधों पर काफी मुखर रहे हैं। उन्होंने भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर को दोस्त बताया और पिछले सप्ताह उन्होंने एक महीने के भीतर भारत दौरे की अपनी मंशा जाहिर की।

ब्रिटिश विदेश मंत्री डैविड लैमी पिछले सप्ताह लंदन में इंडिया ग्लोबल फोरम को संबोधित कर रहे थे, जब उन्होंने भारत दौरे की अपनी मंशा का खुलासा किया था। उनके विदेश मंत्री बनने के बाद भारतीय विदेश मंत्री एज जयशंकर ने उन्हें बधाई भी दी और दोनों देशों के बीच इंगेजमेंट बढ़ाने और पार्टनर्शिप को मजबूत करने की बात कही।

दिवाली 2022 में ही फाइनल होनी थी डील

ब्रिटिश विदेश मंत्री का पद ग्रहण करने के बाद डैविड लैमी ने कहा कि विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास मामलों के लिए राज्य सचिव नियुक्त किया जाना मेरे जीवन का सम्मान है। भारत-ब्रिटेन के बीच फ्री ट्रेड डील पर बोरिस जॉनसन को घेरते हुए उन्होंने कहा था कि ट्रेड डील के बिना कई दिवाली आई और गई, कई बिजनेस इसका इंतजार कर रहे हैं। दरअसल, यह ट्रेड डील जॉनसन के कार्यकाल से ही पेंडिंग है, जिन्होंने दिवाली 2022 तक इसे फाइनल करने का वादा किया था।

ब्रिटिश मंत्री ने भारतीय मंत्रियों से की ये अपील

ब्रिटिश मंत्री ने अपने एक भाषण में कहा था, (वित्त) मंत्री (निर्मला) सीतारमण और (ट्रेड) मंत्री (पीयूष) गोयल को मेरा संदेश है कि लेबर पार्टी आगे बढ़ने के लिए तैयार है। चलिए हम फाइनली फ्री ट्रेड डील को पूरा करते हैं। भारत को ब्रिटेन के लिए प्राथमिकता बताते हुए डैविड लैमी ने इकोनॉमिक, टेक्नोलॉजिकल और कल्चरल सुपरपावर बताया था।

ब्रिटिश मंत्री ने भारत को बताया महाशक्ति

डैविड लैमी ने अपने भाषण में कहा था, लेबर के साथ, बोरिस जॉनसन द्वारा एशिया में रुडयार्ड किपलिंग की उस पुरानी कविता को दोहराने के दिन खत्म हो गए हैं। अगर मैं भारत में कोई कविता सुनाऊंगा, तो वह टैगोर की होगी। क्योंकि भारत जैसी महाशक्ति के साथ सहयोग और सीखने के क्षेत्र असीमित हैं।

ब्रिटेन के नए पीएम ने मंत्रिमंडल में 11 महिलाओं को किया शामिल

-रेचल रीव्स चांसलर ऑफ एक्सचेकर तो शबाना बनी न्याय मंत्री

लंदन, (एजेंसी)। ब्रिटेन के नए पीएम कीर स्टारमर ने अपना नया मंत्रिमंडल बनाया है। इस मंत्रिमंडल में एंजेला रेनर को डिप्टी पीएम और रेचल रीव्स को पहली महिला चांसलर ऑफ द एक्सचेकर बनाया है। स्टारमर के मंत्रिमंडल में 25 सदस्यों की टीम में 11 महिलाओं को भी शामिल किया है। नए मंत्रिमंडल में यवेट कूपर को गृह मंत्री, डेविड लैमी को विदेश मंत्री ओर जॉन हीली को रक्षा मंत्री बनाया गया है।

मंत्रिमंडल में शबाना महमूद को न्याय मंत्री, वेस स्ट्रीटिंग को स्वास्थ्य, ब्रिजेट फिलिप्सन को शिक्षा और एड मिलिबैंड को ऊर्जा मंत्री बनाया गया है। ब्रिटेन पीएम के रूप में अपने पहले भाषण में कीर स्टारमर ने देश की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को पटरी पर लाने, ब्रिटिश सीमाओं को सुरक्षित करने और स्कूलों और किफायती घरों की जरुरत को पूरा करने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा कि हमारे देश ने बदलाव और राजनीति को सार्वजनिक सेवा में वापस लाने के लिए लोगों ने निर्णायक रूप से मतदान किया है।

स्टारमर ने कहा कि देश को बदलना स्विच दबाने जैसा नहीं है, उन्होंने कहा कि दुनिया अस्थिर हो गई है। उन्होंने कहा कि बदलाव का काम तुरंत शुरू होगा, लेकिन इसमें समय लगेगा। उन्होंने कहा कि अगर मैं आपसे अभी पूछूं कि क्या आपको लगता है कि ब्रिटेन आपके बच्चों के लिए बेहतर होगा, तो मैं जानता हूं कि आप में से बहुत से लोग कहेंगे नहीं, इसलिए मेरी सरकार तब तक लड़ेगी जब तक आप यह नहीं कहते कि देश आपके बच्चों के लिए बेहतर होगा।

बाबा वेंगा की भविष्यवाणी, मंगल पर छिड़ेगी जंग, दुनिया का होगा अंत

लंदन (एजेंसी)। बुल्गारिया के बाबा वेंगा की कई भविष्यवाणियां सच साबित हुई हैं। उनमें से एक वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हमला भी थी। साल 2023 में भी बाबा वेंगा की कुछ भविष्यवाणी सच साबित हुई। अब उन्होंने एक बार फिर 2025 और आने वाले कुछ सालों की भविष्यवाणी की है। इस भविष्यवाणी को पढ़कर आपके रोंगटे खड़े हो जाएंगे।

बता दें कि वेंगेलिया पांडेवा गुशटेरोवा, जिन्हें बाबा वंगा के नाम से जाना जाता है, एक नेत्रहीन बल्गेरियाई रहस्यवादी व्यक्त थे, जिनकी मृत्यु 1996 में 85 वर्ष की आयु में हो गई। उनकी मृत्यु के बाद भी दुनिया भर के लोग अभी भी उनकी भविष्यवाणियों पर यकीन रखते हैं। बाल्कन के नास्त्रेदमस' कहे जाने वाले बाबा वेंगा ने दावा किया कि उन्होंने 12 साल की उम्र में अपनी आंखों की रोशनी खो दी थी और फिर उनमें भविष्यवाणी करने का उपहार विकसित हुआ।

बाबा वेंगा की मुख्य भविष्यवाणियां

2025: यूरोप में एक बड़े संघर्ष के कारण महाद्वीप की जनसंख्या में कमी आएगी

2028: मानवता ऊर्जा के नए स्रोत खोजने के प्रयास में शुक्र ग्रह पर पहुंचेगी

2033: ध्रुवीय बर्फ के पिघलने से समुद्र के स्तर में वृद्धि होगी

2076: साम्यवाद वैश्विक स्तर पर वापस आएगा

2130: अलौकिक सभ्यताओं से संपर्क होगा

2170: वैश्विक सूखा

3005: मंगल ग्रह पर युद्ध

3797: पृथ्वी का विनाश

5079: दुनिया का अंत

नासा ने दिया अपडेट, स्पेस क्राफ्ट अच्छी स्थिति में चिंता की बात नहीं

-सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर के लौटने में हो रही देरी

वॉशिंगटन (एजेंसी)। सुनीता विलियम्स उनका साथी अंतरिक्ष यान स्पेस में कैसे है? यह बात सभी को परेशान कर रही है। आखिर क्या वजह हैं कि उन्हें लौटने में देरी हो रही है? इस सभी बातों के बीच अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा ने सुनीता विलियम्स और उनके स्पेसक्राफ्ट को लेकर अपडेट दिया है। नासा ने कहा कि सुनीता का स्पेस क्राफ्ट अच्छी स्थिति में है। इसका अर्थ यह है कि चिंता की कोई बात नहीं है।

नासा ने सुनीता विलियम्स के बोइंग स्टारलाइनर के अंतरिक्ष मिशन को आगे बढ़ा दिया है और यह 45 दिन और चलेगा। सुनीता से वापस लौटने में हो रही देरी के कारण तनाव का माहौल था। नासा ने पिछले सप्ताह कहा था कि स्पेस क्राफ्ट काफी अच्छी स्थिति में है और 45 दिनों से अधिक समय तक ऑर्बिट में रह सकता है।

बता दें सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर को ले जाने वाले विमान को पांच जून को लॉन्च किया था।

बोइंग अंतरिक्ष यान के प्रक्षेपण में लॉन्च से पहले गड़बड़ियों देखी गई थीं। इन्हीं सब कारणों से कई बार देरी हुई। अंतरिक्ष प्रक्षेपण शुरू में एक सप्ताह की अवधि के लिए तय था, लेकिन बाद में इसे लेकर सर्विस मॉड्यूल बढ़ा दिया गया है। यह हीलियम लीक के कारण अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में डॉक किए जाने के लिए मजबूर होने के बाद दो महीने तक बढ़ा दिया गया है। मीडिया रिपोर्ट में सीएनएन के हवाले से बताया कि नासा के कमर्शियल क्रू प्रोग्राम मैनेजर स्टीव स्टिच ने घोषणा की है कि बोइंग स्टारलाइनर के मिशन में 45 दिनों से लेकर 90 दिनों की देरी हो सकती है।

सऊदी अरब ने किया नई वीजा सीरीज का ऐलान, घूमने की दी सुविधा

रियाद। सऊदी अरब ने अब भारतीय यात्रियों को पर्यटक वीजा को नई वीजा सीराज देने का ऐलान किया है। इससे भारतीय आसानी से सऊदी का वीजा ले सकेंगे और वहां घूमने जा सकेंगे। सऊदी सरकार ने स्टॉपओवर वीजा, ई-वीजा सर्विस और वीजा ऑन अराइवल की सुविधा दी है। इन वीजा से पर्यटक रियाद और जेद्दा जैसे शहरों के साथ ही लाल सागर और अल-उला जैसे प्राचीन शहर का भ्रमण करने जा सकेंगे। सऊदी सरकार ने नई गाइडलाइन और वीजा के विकल्प अलग-अलग तरह की यात्रा जरूरत को पूरा करने के मकसद से तैयार किए हैं ताकि पर्यटक सऊदी घूमने आ सकें। इस समय मुंबई, दिल्ली, कोच्चि, चेन्नई, हैदराबाद, अहमदाबाद, बैंगलोर, लखनऊ, कोलकाता और कालीकट में दस वीजा सुविधा केंद्र हैं। दूसरे शहरों में भी ऐसे केंद्र बनाने की योजना है। यह सऊदी विजन 2030 के तहत है। इसका लक्ष्य 2030 तक 75 लाख भारतीय को सऊदी बुलाना है। सऊदी सरकार इस समय भारत को बड़े पर्यटक बाजार के रुप में देख रहा है। सऊदी सरकार ने 2024 के आखिर तक पर्यटकों की संख्या को दोगुना कर 22 लाख करने का लक्ष्य तय किया है। भारतीय अब सऊदी के स्टॉपओवर वीजा के लिए आवेदन कर सकते हैं, जो 96 घंटे तक के लिए वैध है और इसे प्रशासन और बीमा सेवाओं के लिए मामूली शुल्क पर सऊदी एयरलाइन की वेबसाइट पर 90 दिन पहले लिया जा सकता है। अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम या किसी शेंगेन देश से वैध पर्यटक या व्यावसायिक वीजा रखने वाले भारतीय, प्रवेश के स्टांप प्रमाण के साथ ई-वीजा के लिए पात्र हैं। आधिकारिक पोर्टल के जरिए से प्रस्थान से पहले ई-वीजा लिया जा सकता है।

ऋषि सुनक को क्यों झेलनी पड़ी इतनी बड़ी हार? क्या रही इसकी वजह, 5 प्वाइंट में जानें

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन में लेबर पार्टी 14 सालों के बाद फिर से सत्ता पर काबिज हो गई है। कीर स्टारमर ने 10 डाउनिंग स्ट्रीट पर अपना विजयी भाषण भी दिया। 650 सीटों के हाउस ऑफ कॉमन में किसी भी पार्टी को सरकार बनाने के लिए 326 सीट पर जीतना जरूरी है। लेबर पार्टी ने तो अबकी बार 400 पार का नारा लगाने बिना ही इसे पूरा कर दिया। पिछली बार लेबर पार्टी ने 209 सीटें ज्यादा जीती हैं। वहीं कंजर्वेटिव पार्टी जो पिछले 14 साल से सत्ता में है और जिसने पांच प्रधानमंत्री ब्रिटेन को दिए उसे एक करारी हार का सामना करना पपड़ा है। इस बड़ी जीत के बाद कीर स्टारमर ने कहा कि ये एक नई शुरुआत होगी और ब्रिटेन अब दोबारा से पब्लिक सर्विस की राजनीति करेगा। लेबर पार्टी बदलाव की तरफ काम करेगी।

1. ओपिनियन पोल्स जता रहे थे अनुमान

ऋषि सुनक भले ही अपनी सीट से जीत गए हैं, लेकिन कंजर्वेटिव पार्टी का प्रदर्शन बहुत खराब रहा है। यही ओपिनियन पोल्स भी बार बार बता रहे थे। लेकिन एक उम्मीद थी कि हो सकता है कि ये पोल सही न हो। लेकिन ऐसा हुआ नहीं। तीसरे नंबर पर लिबरल डिमोक्रेट पार्टी आई है जिसने 71 सीटें जीती है। उसे पिछली बार के मुकाबले 63 सीटों का फायदा हुआ है। पूर्व पीएम लिज ट्रस भी चुनाव हार गई। वहीं रिफॉर्म यूके पार्टी ने चार सीटें जीती हैं। ऋषि सुनक ने 10 डाउनिंग स्ट्रीट से बाहर निकलते हुए बर्घिगम पैलेस जाकर किंग चार्ल्स को अपना इस्तीफा सौंप दिया।

2. सुनक को दीपावली के दिन कंजर्वेटिव पार्टी का नेता चुना गया

सुनक के नेतृत्व वाली कंजर्वेटिव पार्टी को 14 साल के शासन के बाद शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा है। इसके साथ ही पार्टी में राजनीतिक उथल-पुथल के बीच शपथ लेने के 20 महीने बाद सुनक प्रधानमंत्री के पद से अपदस्थ हो गए हैं। भारतीय मूल के पहले ब्रिटिश प्रधानमंत्री बनने से पहले सुनक भारतीय मूल के पहले ब्रिटिश वित्त मंत्री भी थे जिन्होंने घबराई हुई जनता को उसकी आर्थिक स्थिति के बारे में आश्वस्त करने के लिए असंभव कार्य की ओर कदम बढ़ाया। उस दौरान तत्काल प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन का नाम पार्टीगेट स्कैंडल में सामने आया था जिससे वह अलोकप्रिय हो गए थे।

3. पार्टीगेट स्कैंडल

कोविड रोधी लॉकडाउन के समय संबंधित नियमों का उल्लंघन कर बोरिस जॉनसन के घर पार्टी की गई थी जिसे पार्टीगेट स्कैंडल के नाम से जाना जाता है। सुनक को अक्टूबर 2022 में दीपावली के दिन कंजर्वेटिव पार्टी का नेता चुना गया था। तब उन्होंने 210 साल में सबसे कम उम्र के ब्रिटिश प्रधानमंत्री और देश के पहले अश्वेत नेता के रूप में प्रधानमंत्री कार्यालय 10 डाउनिंग स्ट्रीट में प्रवेश किया था।

4. एंटी इनकमबेंसी फैक्टर

प्रधानमंत्री के रूप में 10 डाउनिंग स्ट्रीट के द्वार पर अपने पहले संबोधन में सुनक ने देश की समस्याओं को करुणा के साथ देखने और आर्थिक स्थिरता एवं विश्वास को अपनी सरकार के प्रमुख एजेंडे के रूप में रखने का संकल्प किया था। उन्होंने पूर्ववर्ती लिज़ ट्रस के नुकसानदेह साबित हुए मिनी-बजट के कारण बढ़ती महंगाई के बीच विशेष रूप से अस्थिर अवधि में कार्यभार संभाला था। हालांकि, वह महंगाई कम करने के अपने उद्देश्य में सफल रहे, लेकिन आंतरिक रूप से अत्यधिक विभाजित उनकी पार्टी के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर की व्यापक भावना और तेज हो गई।

5. जनता चाहती थी बदलाव

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और सुनक दोनों ने एक मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) हासिल करने की दिशा में काम किया, लेकिन 14वें दौर में बातचीत रुक गई क्योंकि दोनों नेता अपने-अपने देशों में आम चुनाव की तैयारियों में लग गए। पिछले 14 सालों से लगातार कंजर्वेटिव पार्टी सत्ता संभाले हुए थी। लोग बदलाव चाहते थे। लोगों को लग रहा था कि कंजर्वेटिव पार्टी अपने वादों को नहीं निभा सकी है। बदलाव का समय आ चुका है। ये परिणाम उसी बदलाव का संकेत हैं।

जिम्बाब्वे की ऐतिहासिक जीत, भारत को 13 रन से हराया

हरारे । कप्तान सिकंदर रजा के हरफनमौला प्रदर्शन के दम पर जिम्बाब्वे ने शनिवार को खेले गये पहले टी-20 मुकाबले में भारत 13 रनों से हराकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की है।

बल्लेबाजों के लिये मुश्किल पिच पर 116 रनों के छोटे लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की बल्लेबाजी फ्लॉप रही। जिम्बाब्वे की गेंदबाजी के आगे भारतीय बल्लेबाज तू चल मैं आया की तर्ज पर पवेलियन लौटते रहे और पूरी टीम 19.5 ओवर में 102 रन पर सिमट गई। भारत की ओर से कप्तान शुभमन गिल ने 29 गेंदों में पांच चौके लगाते हुये सर्वाधिक (31) रनों की पारी खेली। 11वें ओवर में सिकंदर रजा ने गिल को बोल्ड का मैच का रुख पलटा। हालांकि इसके बाद वाशिंगटन सुंदर और आवेश खान ने एक बार फिर से टीम की वापसी करते हुये मैच रूख भारत के पक्ष में कर दिया था। आवेश ने 12 गेंदों में तीन चौके लगाते हुये 16 रन बनाये। वॉशिंगटन सुंदर एक चौका और एक छक्का लगाते हुये 27 रन बनाये। भारत के आठ बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। टी-20 मुकाबले में यह जिम्बाब्वे की भारत के खिलाफ तीसरी जीत है।

जिम्बाब्वे की ओर से सिकंदर रजा और टेंडई चतारा ने तीन-तीन विकेट लिये। ब्रायन बेनेट, वेलिंग्टन मसाकाट्जा, ब्लेसिंग मुजाराबानी और ल्यूक जॉन्गवे ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां हरारे स्पोर्ट्स क्लब में भारत के कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे की शुरुआत अच्छी नहीं रही और दूसरे ही ओवर में मुकेश कुमार ने इनोसेंट काइया (शून्य) को बोल्ड कर भारत को पहली सफलता दिलाई।

इंग्लैंड की महिला टीम ने न्यूजीलैंड को 59 रनों से हराया

साउथेम्प्टन। डेनिएल वायट (76), नेट साइवर ब्रंट (47) की शानदार पारियों के बाद सेरा ग्लेन और शार्लेट डीन की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर इंग्लैंड की महिला टीम ने शनिवार को पहले टी-20 मुकाबले में न्यूजीलैंड को 59 रनों हरा दिया है। इसी के साथ इंग्लैंड ने पांच टी-20 मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है।

इससे पहले इंग्लैंड की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में तीन विकेट पर 197 रन बनाये थे। 198 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड को दूसरे ही ओवर में जॉर्जिया प्लिमर (1) के रूप में पहला झटका लगा। इसके बाद सूजी बेट्स और एमेलिया केर ने पारी को संभालने का प्रयास किया। नौवें ओवर में शार्लेट डीन ने एमेलिया केर (18)को आउट कर इंग्लैंड को दूसरी सफलता दिलाई। इसके बाद न्यूजीलैंड के लगातार दो विकेट गिरे। कप्तान सोफी डिवाइन

(शून्य) और मैडी ग्रीन (शून्य) पर आउट हुई। ब्रूक हैलिडे (17), जेस केर (38) और लिया तहुहू (17) रन बनाकर आउट हुई। न्यूजीलैंड की टीम निर्धारित 20 ओवर में नौ विकेट पर 138 रन ही बना सकी और उसे 59 रन से हार का सामना करना पड़ा।

इंग्लैंड की ओर से सेरा ग्लेन ने तीन विकेट लिये। शार्लेट डीन को दो विकेट मिले। लिंसी स्मिथ, फ्रेया केंप और सोफी एकल्सटन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की टीम की डेनिएल वायट और माया बूशेर की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिये 61 रन जोड़े।

आठवें ओवर में लिया तहुहू ने माया बूशेर 32 को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद बल्लेबाजी करने आयी नेट साइवर ब्रंट ने डेनिएल वायट के साथ दूसरे विकेट के लिये 82 रनों जोड़ कर इंग्लैंड को बड़े स्कोर की ओर अग्रसर किया। वायट ने 51 गेंदों में 11 चौके और एक छक्का लगाते हुए सर्वाधिक 76 रन बनाये। वहीं नेट साइवर ब्रंट ने 23 गेंदों में 47 रनों की पारी खेली। फ्रेया केंप (26) और हेदर नाइट (4) रन बनाकर नाबाद रही। इंग्लैंड की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में तीन विकेट पर 197 रन का स्कोर खड़ा किया।

न्यूजीलैंड की ओर से लिया तहुहू को दो विकेट मिले। ईडन कार्सन ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

रोहित, सूर्यकुमार सहित मुम्बई के चार क्रिकेटरों का महाराष्ट्र विधान भवन में सम्मान हुआ

-रोहित बोले, सभी के प्रसासों से मिली जीत

मुंबई (एजेंसी)। (ईएमएस)। टी20 विश्वकप विजेता भारतीय क्रिकेट टीम में शामिल मुम्बई के क्रिकेटरों कप्तान रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, यशस्वी जायसवाल और शिवम दुबे का शक्रवार को महाराष्ट्र विधान भवन में शानदार स्वागत किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने विजेता भारतीय क्रिकेट टीम के लिए 11 करोड़ रुपए के नकद पुरस्कार की भी घोषणा की। शिंदे ने अपने भाषण में विश्व कप में पाकिस्तान पर मिली जीत के अलावा दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फाइनल मैच में सूर्यकुमार के कैच की जमकर प्रशंसा की। मुख्यमंत्री ने मुंबई पुलिस की भी विजय परेड को शांतिपूर्ण तरीके से आयोजित करने के लिए प्रशंसाक की।। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री अजीत पवार और देवेंद्र फडनवीस भी उपस्थित थे।

पवार ने रोहित के टी20 से संन्यास को लेकर कहा कि हमें आपकी कमी खलेगी पर हम आपको और आपकी उपलब्धियों को हमेशा ही याद रखेंगे। वहीं फडनवीस ने कहा कि रोहित का नाम अब हमेशा के लिए क्रिकेट इतिहास में लिखा जायेगा। उन्होंने कहा कि रोहित ने हमें एक ही दिन में अच्छी और बुरी खबर दोनों दीं। उन्होंने टी 20 विश्व कप जीता पर साथ ही टी 20 अंतरराष्ट्रीय प्रारूप में संन्यास की घोषणा भी कर दी।

वहीं रोहित ने कहा कि फाइनल में सभी के प्रयासों से टीम को जीत मिली। इतने लंबे इंतजार के बाद क्रिकेट विश्व कप भारत लाकर हमने जो सपना देखा था वह सच हो गया। यह टीम प्रयासों का ही परिणाम था। वहीं मजाकिया लहजे में कहा कि सूर्यकुमार ने सभी से कहा कि वह भाग्यशाली रहे कि गेंद उन्होंने पकड़ ली । अगर ऐसा नहीं हुआ होता तो उसे अगले मैच में नहीं रखते। सूर्यकुमार और शिवम दुबे ने कहा कि हमें जिस प्रकार का सम्मान मिला है उसे हम भुला नहीं पायेंगे।

अगर मैं अंत तक वहां रुकता तो हमारे लिए सबसे अच्छा होता : शुभमन गिल

हरारे (एजेंसी)। टीम इंडिया को आखिरकार जिमबाब्वे की टीम ने हरारे के मैदान पर पहले टी20 मुकाबले में 13 रन से मात दे दी। भारतीय टीम को 116 रन का लक्ष्य मिला था लेकिन सिवाय शुभमन गिल और वाशिंगटन सुंदर कोई बड़ा स्कोर नहीं बना पाया। भारत की इसी के साथ 12 मैचों से चली आ रही विनिंग स्ट्रीक भी टूट गई। बहरहाल, मैच गंवाने के बाद भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने हार के कारणों पर चर्चा की। गिल ने कहा कि हमने काफी अच्छी गेंदबाजी की, हमने मैदान में खुद को निराश किया। हम मानकों के अनुरूप नहीं थे और हर कोई थोड़ा रूखा लग रहा था। हमने समय लेने और अपनी बल्लेबाजी का आनंद लेने के बारे में बात की लेकिन यह उस तरह से सामने नहीं आया। आधे रास्ते में हमने 5 विकेट खो दिए थे, अगर मैं अंत तक वहां रुकता तो हमारे लिए सबसे अच्छा होता, मैं जिस तरह से आउट

हुआ उससे बहुत निराश हूं और बाकी अब मैच खत्म हो गया।

वहीं, जिमबाब्वे की जीत के बाद क्लाइव मदांदे ने कहा कि आज मैं योगदान देना चाहता था। जितना हो सके उतना खेलने की कोशिश की। 115 रन इस विकेट पर ठीक था। उन्होंने (चतारा) ने अच्छी गेंदबाजी की। हम चाहते थे कि सिर्फ 2 ही गेंदें खेलने के लिए दें। हमने लड़कों से कहा कि वे अपना सब कुछ दें और चाहे कुछ भी हो, अपना 100त्न दें।

पीसीबी को लग सकता है जोर का झटका, चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान नहीं जाएगी टीम इंडिया !

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के 2025 संस्करण में हिस्सा लेने के लिए अगले साल पाकिस्तान जाने की संभावना नहीं है। एक रिपोर्ट के अनुसार, मेन इन ब्लू आठ-टीम आईसीसी इवेंट के लिए पाकिस्तान की यात्रा नहीं करेगा, जो 19 फरवरी से 9 मार्च तक खेला जाएगा। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, भारत की पाकिस्तान यात्रा के बारे में कोई भी फैसला भारत सरकार द्वारा लिया जाएगा।

सूत्र ने बताया कि हालांकि टूर्नामेंट के विवरण पर अभी तक चर्चा नहीं की गई है, लेकिन इसकी बहुत कम संभावना है कि भारतीय टीम पाकिस्तान की यात्रा करेगी। अंततः

निर्णय भारत सरकार पर निर्भर है। हालाँकि, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) इस मुद्दे को इस महीने श्रीलंका में होने वाली आईसीसी बैठक में उठाने की योजना बना रहा है। आगे कहा गया है कि इस मामले पर सरकार का निर्णय अंतिम होगा, क्योंकि हमने अभी तक आंतरिक रूप से इसकी पुष्टि नहीं की है। चूंकि यह एक आईसीसी इवेंट है, इसलिए हमारे पास कोई भी एकतरफा निर्णय लेने का अधिकार नहीं है। हालाँकि, अगली आईसीसी बैठक के दौरान अधिक विवरण सामने आ सकते हैं।

भारत ने 2008 के बाद से पाकिस्तान की यात्रा नहीं की है। पिछले 16 वर्षों में, केवल एक बार इन दोनों टीमों ने एक-दूसरे के खिलाफ द्विपक्षीय श्रृंखला खेली है, और वह 2012-13 में हुई थी। भारत को पिछले साल एशिया कप में हिस्सा लेने के लिए पाकिस्तान जाना था, लेकिन दोनों देशों के बीच तनाव के कारण टूर्नामेंट को पाकिस्तान से बाहर स्थानांतरित कर दिया गया और फाइनल सहित भारत के मैच श्रीलंका में खेले गए। हालाँकि, भारत के पाकिस्तान दौरे को छोड़ने के फैसले के बावजूद, पाकिस्तान ने आईसीसी पुरुष एकदिवसीय विश्व कप 2023 में भाग लेने के लिए भारत की यात्रा की और हैदराबाद, अहमदाबाद, चेन्नई, बेंगलुरु और कोलकाता में मैच खेले।

पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण जीतना रहेगा भारतीय हॉकी टीम का लक्ष्य

नई दिल्ली । पिछली बार टोक्यो ओलंपिक में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने कांस्य पदक जीता था। अब उसका लक्ष्य इस बार पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण जीतना रहेगा। पिछले कुछ समय से हॉकी टीम का प्रदर्शन लगातार बेहतर हुआ है। विश्वस्तर पर उसने कई शीर्ष टीमों को हराया है जिससे अब प्रशंसकों को टीम से इस बार और बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें रहेंगी। भारतीय टीम ने चीन में गत वर्ष हुए एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर पेरिस ओलंपिक-2024 के लिए टिकट हासिल किया है। भारतीय टीम ओलंपिक मे 27 जुलाई से अपने अभियान की शुरुआत करेगा। उसका पहला मुकाबला 27 जुलाई को न्यूजीलैंड से होगा। इसके बाद भारतीय टीम 29 जुलाई को अर्जेंटीना, 30 जुलाई को आयरलैंड से खेलेगी। वहीं 1 और 2 अगस्त को भारतीय टीम का मुकाबला बेल्जियम और ऑस्ट्रेलिया से होगा। विश्वकप के लिए भारतीय टीम पूल बी में है। इसमें भारत के अलावा बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, न्यूजीलैंड और आयरलैंड की टीम शामिल हैं। वहीं विश्वकप के लिए पूल-ए में नीदरलैंड, जर्मनी, ग्रेट ब्रिटेन, स्पेन, फ्रांस और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं।

वर्ल्ड मास्टर्स लीग अगले माह होंगी , रोड्स को बनाया गया ब्रांड एंबेसडर

जोहांसबर्ग । यहां अगले माह अगस्त में होने वाली वर्ल्ड मास्टर्स टी20 लीग 2024 के लिए पूर्व क्रिकेटर जोंटी रोड्स को ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है। दक्षिण अफ्रीका के किंग्समीड स्टेडियम में होने वाली इस लीग में कुल 6 टीमें इंद्रप्रस्थ वॉरियर्स, गल्फ सुपरस्टार्स, सिडनी स्पार्टन्स, कोलंबो टाइटन्स, लाहौर लायंस और कैरेबियन पाइरेट्स शामिल होंगी। इसमें दक्षिण अफ्रीका , ऑस्ट्रेलिया, वेस्टइंडीज, इंग्लैंड, श्रीलंका और पाकिस्तान के अलावा भारतीय क्रिकेटर भी भाग लेंगे। महानतम वर्ल्ड मास्टर्स लीग का ब्रांड एंबेसडर बनने पर रोड्स ने खुशी जताते हुए कहा कि यह टूर्नामेंट दुनिया भर की बेहतरीन क्रिकेट प्रतिभाओं को एक मंच पर लाने का काम कर रहा है, ऐसे में

इसका हिस्सा होना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है। साथ ही कहा कि बेहतरीन खिलाड़ियों से सजे इस टूर्नामेंट का प्रचार करने के लिए मैं पूरी तरह से तैयार हूं। रोड्स ने साल 1992 से 2003 तक दक्षिण अफ्रीका की तरफ से 52 टेस्ट और 245 एकदिवसीय मैच खेले हैं। टेस्ट में 35.66 और एकदिवसीय में उनके नाम 35.11 के बल्लेबाजी औसत के साथ ही 8,000 से अधिक रन हैं। रोड्स को ब्रांड एंबेसडर बनाने के बाद लीग के सीईओ राजीव मिश्रा ने कहा कि हमें यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि रोड्स इस लीग के ब्रांड एंबेसडर होंगे। इस लीग में दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज हर्शल गिब्स भी नजर आयेंगे। लीग में भारत से पूर्व तेज गेंदबाज मुनाफ पटेल, पाकिस्तान के शोएब मलिक और श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर एंजेलो परेरा और धामिका प्रसाद भी उतरेंगे।

संन्यास के बाद कमेंट्री और कोचिंग करेंगे एंडरसन

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के सबसे अनुभवी और उम्रदराज तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन ने कहा है कि वह सन्यास के बाद टेलीविजन पर अपने विचार रखने के साथ ही कोचिंग आदि करेंगे। 41 साल के एंडरसन ने मई में ही घोषणा कर दी थी कि वह 10 जुलाई को वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना अंतिम टेस्ट खेलेंगे। एंडरसन ने कहा है कि है कि वह अपने करियर को अलविदा कहने के बाद टेलीविजन पर अपने विचार रखने के साथ ही कोचिंग आदि करेंगे। साथ ही कहा कि अभी वह इस बारे में स्पष्ट तौर पर कुछ नहीं कह सकते। उन्होंने कहा, मैं नहीं जानता कि आगे क्या होगा पर मुझे खेल के बारे में बात करना पसंद है। मुझे गेंदबाजी के बारे में बात करना और इसके तकनीकी पक्ष में को लेकर आगे बढ़ना होगा। मैंने टीवी और रेडियो पर कमेंट्री की है, इसलिए मैं शायद ये दोनो पेशे ही अपनाउंगा। इससे पहले इंग्लैंड के प्रबंध निदेशक रॉब ने कहा था कि एंडरसन मेंटर की भूमिका में टीम के साथ बने रहेंगे। रॉब के अनुसार प्रशंसक आगे भी एंडरसन को मेंटर के रूप में टीम के साथ देखेंगे। रॉब ने कहा, एंडरसन हमारे सेट-अप में बने रहेंगे, और वह मेंटर के रूप में मदद करेंगे। हम एक बेहतरीन कोच विकास कार्यक्रम स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं, जिसे एंडरसन करना चाहते हैं, इसपर हम गर्मियों के अंत में इस पर विचार करेंगे। उन्होंने कहा, उनके पास खेल को देने के लिए बहुत कुछ है, इसलिए हम उसे जाते हुए नहीं देखना चाहते हैं पर लॉर्ड्स में उनके बाहर होने से यह काफी बड़ा अवसर होगा।

एंडरसन ने संन्यास को लेकर कहा, यह एक अजीब एहसास है जब आप 20 साल तक कुछ करते हैं और फिर अचानक आपको कुछ और करना पड़ता है। टेस्ट क्रिकेटर के रूप में उन्हें जो चीजें नहीं मिलीं उनके बारे में एंडरसन ने कहा कि उन्हें टेस्ट हैट्रिक और शतक बनाना बहुत अच्छा लगता। एंडरसन ने कहा कि इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन का उन पर सबसे अधिक प्रभाव रहा है, क्योंकि उन्होंने उन्हें एक खिलाड़ी के रूप में बहुत

स्पष्टता दी। उन्हें अपने पूर्व कप्तान की तीव्रता और दृढ़ता भी पसंद थी। इस अनुभवी तेज गेंदबाज ने स्विंग के साथ-साथ रिवर्स स्विंग में विशेषज्ञता के साथ ही लाल गेंद के क्रिकेट पर अपना प्रभाव बनाया है।

मार्क के आने से बेहतर होगी ईस्टबंगाल की टीम : प्रबंधन

कोलकाता । ईस्ट बंगाल एफसी ने मिजोरम के मार्क जोथनपुइया से करार किया है। जोथनपुइया 2026-27 सत्र के अंत तक ईस्ट बंगाल से खेलेंगे। टीम प्रबंधन के अनुसार जोथनपुइया के आने से टीम को मिडफील्ड और रक्षापंक्ति के लिए एक बेहतर खिलाड़ी मिल जाएगा। ईस्ट बंगाल एफसी प्रबंधने ने जोथनपुइया को शामिल किये जाने का स्वागत करते हुए कहा कि इस खिलाड़ी के आने से टीम का प्रदर्शन बेहतर होगा। साथ ही कहा कि जोथनपुइया देश के सबसे उभरते हुए युवा खिलाड़ियों में से एक हैं। वह हमारी टीम में एक मूल्यवान सदस्य होंगे। उनका भविष्य उज्ज्वल है और हम उनसे बेहतरीन प्रदर्शन लेने का प्रयास करेंगे। जोथनपुइया ने एफसी पुणे सिटी की युवा टीम और फिर हैदराबाद एफसी की मुख्य टीम की ओर से 2020-21 सत्र में खेला है। वह 2021-22 सत्र में आईएसएल विजेता टीम में शामिल रहे हैं। जोथनपुइया अभी भारतीय अंडर-23 टीम से खेलते हैं। एफसी ने जोथनपुइया के साथ तीन साल के लिए करार किया है। ऐसे में इस खिलाड़ी ने कहा , ''ईस्ट बंगाल जैसे बड़े क्लब के लिए खेलना किसी भी युवा भारतीय खिलाड़ी के लिए एक सपना है। मेरा प्रयास उसके लिए बेहतरीन प्रदर्शन करना रहेगा।

रिटायर होकर बोले राहुल द्रविड़- सोचा नहीं था आधे दर्जन कप्तानों के साथ काम करना पड़ेगा

मुंबई (एजेंसी)। भारत के टी20 विश्व कप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका पर जीत के साथ ही द्रविड़ का मुख्य कोच का कार्यकाल भी समाप्त हो गया। द्रविड़ ने बीसीसीआई द्वारा जारी किए गए वीडियो में कहा कि मैं वास्तव में ऐसा व्यक्ति हूं जिसे निरंतरता पसंद है। मुझे बहुत अधिक काट छांट और बदलाव करना पसंद नहीं है। क्योंकि मेरा मानना ??है कि इससे बहुत अस्थिरता पैदा होती है और बहुत अच्छा माहौल नहीं बनता। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि मैं उस टीम का हिस्सा हूं जिसकी जिम्मेदारी सही पेशेवर, सुरक्षित, संरक्षित वातावरण बनाना है जिसमें वास्तव में असफलता का डर न हो, लेकिन लोगों को आगे बढ़ाने के लिए पर्याप्त चुनौतियां हों। यह हमेशा मेरा प्रयास रहा है।

द्रविड़ ने कहा कि कोविड-19 महामारी के बाद जब खिलाड़ी बाहर आए तो वह मुश्किल दौर था तथा उन्होंने

कभी नहीं सोचा था कि उन्हें आधा दर्जन कप्तानों के साथ काम करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि मेरे कोच बनने के शुरुआती दौर में हम कोविड के प्रतिबंधों से बाहर निकल रहे थे। हमें तीनों प्रारूप में कार्यभार का प्रबंध करना था। कुछ खिलाड़ी चोटिल थे और इस कारण मुझे 8-10 महीने में पांच-छह कप्तानों के साथ काम करना पड़ा। द्रविड़ ने कहा कि यह कुछ ऐसा था जिसकी मैंने कल्पना नहीं की थी या इसके बारे में मैंने सोचा भी नहीं था लेकिन यह स्वाभाविक तौर पर हो गया।

द्रविड़ के कोच रहते हुए भारत ने इंग्लैंड को पांच टेस्ट मैच की श्रृंखला में हराया और टीम वनडे विश्व कप के फाइनल में पहुंची। उन्होंने कहा कि कोविड की पाबंदियां हटने के बाद सकारात्मक बात यह रही कि हमने काफी क्रिकेट खेली। पिछले ढाई वर्षों में हमने विशेषकर सीमित ओवरों की क्रिकेट में कई युवा खिलाड़ियों को मौका दिया। पिछले कुछ समय में हमने टेस्ट क्रिकेट में भी कुछ युवा खिलाड़ियों को अवसर दिया।

गगनजीत भुल्लर मोरक्को में संयुक्त दूसरे स्थान पर

रबात (मोरक्को) । ओलंपिक की तैयारी में लगे भारतीय गोल्फर गगनजीत भुल्लर ने दूसरे दौर में पांच अंडर 68 का शानदार स्कोर बनाया, जिससे वह 20 लाख डालर इनामी इंटरनेशनल सीरीज मोरक्को गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त दूसरे स्थान पर पहुंच गए। पहले दौर में तीन अंडर 70 का कार्ड खेलने वाले भुल्लर का कुल स्कोर आठ अंडर हो गया है और वह शीर्ष पर चल रहे अमेरिकी खिलाड़ी जॉन कैटलिन से केवल एक शॉट पीछे हैं। भारत के अन्य खिलाड़ियों में रेहान थॉमस (69-73) संयुक्त 15वें, वरुण चोपड़ा (71-74) और राशिद खान (70-75) संयुक्त 39वें तथा वीर अहलावत (70-76) संयुक्त 48वें स्थान पर चल रहे हैं। भारत के केवल पांच खिलाड़ी ही कट में जगह बना पाए। शिव कपूर (75-72) एक शॉट से कट से चूक गए। कट से चूकने वाले अन्य भारतीय खिलाड़ियों में हनी बैसोया, खलिन जोशी, करणदीप कोचर, कार्तिक शर्मा, एस चिक्कारंगप्पा, सप्तक तलवार, एसएसपी चौरसिया, जीव मिल्खा सिंह, युवराज संधू और अजीतेश संधू शामिल हैं।

ओलंपिक पदक खिलाड़ी की जिंदगी और समाज को बदल देता है: साक्षी मलिक

मुंबई (एजेंसी)। रियो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता पहलवान साक्षी मलिक का मानना है कि ओलंपिक पदक जीतने से सिर्फ खिलाड़ी की जिंदगी नहीं बदलती बल्कि इसका असर समाज पर भी पड़ता है जिससे बच्चों के लिए कई मौके बनते हैं। साक्षी रियो 2016 में कांस्य से ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली महिला पहलवान बनी थीं।

साक्षी (31 वर्ष) ने शुक्रवार को मुंबई में कहा कि ओलंपिक का सपना सिर्फखिलाड़ी का सपना नहीं होता बल्कि यह पूरे परिवार का सपना होता है। ओलंपिक पदक जीतने से सिर्फ खिलाड़ी का जीवन नहीं बदलता है, बल्कि उसके परिवार, समाज और गांव का जीवन भी बदल जाता है। इस पहलवान ने दावा किया कि आठ साल पहले उनके पदक जीतने के बाद से उनके गृह शहर रोहतक में खेल के बुनियादी ढांचों में कई बदलाव हुए हैं। उन्होंने कहा, ''मेरे पदक जीतने के बाद कई अहम बदलाव हुए। रोहतक में छोटू राम स्टेडियम अब एसी हॉल में बदल गया है। मेरे गांव में एक स्टेडियम भी बनाया गया और उसका नाम मेरे नाम पर रखा गया है।

साक्षी ने कहा कि ओलंपिक पदक कई मौके बनाता है, विशेषकर बच्चों के लिए। जिससे उन्हें बेहतर सुविधाओं में ट्रेनिंग का करने को मिलती है। हरियाणा में कुश्ती का क्रेज बढ़ गया है। विश्व स्तर पर महिला पहलवान अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं और काफी लड़कियां इस खेल को अपना रही हैं। साक्षी ने कहा कि अब लड़कियां साबित कर रही हैं कि वे भी कुश्ती में आगे बढ़ सकती हैं। पेरिस ओलंपिक के लिए भारत के 6 पहलवानों ने क्वालीफाई किया है जिसमें से पांच महिला पहलवान हैं जो विनेश फोगट (50 किग्रा), अंतिम पंघाल (53 किग्रा), अंशु मलिक (57 किग्रा), निशा दहिया (68 किग्रा) और रीतिका हुड्डा (76 किग्रा) हैं। रियो ओलंपिक में पदक से चूकने वाली भारतीय जिमनास्ट दीपा करमाकर भी साक्षी के विचारों से सहमत थीं।

उन्होंने कहा कि 2016 के रियो ओलंपिक के बाद त्रिपुरा में बहुत कुछ बदल गया है। लोगों की सोच थी कि वे जिमनास्टिक में नहीं जा सकते। और अब त्रिपुरा में बहुत कुछ बदल गया। दीपा ने कहा कि उदाहरण के लिए, बुनियादी ढांचा, वॉल्ट, फ्लेम पिट जो बहुत महत्वपूर्ण हैं। ये पहले नहीं थे। करमाकर के गृहनगर में भी साक्षी की तरह जिमनास्टिक में काफी खिलाड़ी आ रहे हैं और कई ट्रेनिंग सेंटर भी बन गए हैं।

बजाज ने उतारी दुनिया की पहली सीएनजी बाइक फ्रीडम 125

- फ्रीडम 125 सीएनजी के साथ ही पेट्रोल से भी चलेगी

नई दिल्ली ।

बजाज ऑटो ने 25 साल पहले जब देश में सीएनजी से चलने वाला पहला तिपहिया उतारा था, उस समय कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी को दिल्ली की उनकी टीम ने फोन कहा कि ऑटो चालकों के एक जत्थे ने दिल्ली में कंपनी के शोरूमों के कांच तोड़ दिए हैं। दुनिया की पहली सीएनजी बाइक फ्रीडम 125 को उतारते हुए बजाज के जेहन में उसकी याद ताजा हो गई। उन्होंने कहा` कि मैं हैरान हो गया क्योंकि मुझे लगा था कि सीएनजी तिपहिया चालकों के लिए बेजोड़ होगा। मगर चालक इसलिए नाराज थे क्योंकि दिल्ली में उस समय केवल एक सीएनजी पंप था और ऑटो में गैस भरवाने के लिए उन्हें 10-12 घंटे तक कतार में खड़े रहना पड़ता था। इस वजह से उन्हें सीएनजी के कारण होने वाली बचत का फायदा नहीं मिल रहा था। मगर अब तस्वीर काफी बदल चुकी है। अब भारत के 335 शहरों में 6,000 सीएनजी पंप हैं और संख्या लगातार बढ़ रही है। कंपनी के अनुसार फ्रीडम 125 तीन वैरिएंट और 7 रंगों में उपलब्ध होगी। इसकी कीमत 95,000 से 1.1 लाख रुपये के बीच होगी। फ्रीडम 125 को उद्योग की तस्वीर बदलने वाली बाइक बताते हुए बजाज ने कहा कि इस बाइक से पेट्रोल आयात, हानिकारक उत्सर्जन, पेट्रोल की ऊंची कीमतों और चार्जिंग स्टेशन खोजने की चिंता से मुक्ति मिल जाएगी। अपने 34 साल के सफर में 100वां उत्पाद उतारते हुए बजाज ने कहा` कि आज मुझे अपने पिताजी की बहुत याद आ रही है। फ्रीडम 125 सीएनजी के साथ ही पेट्रोल से भी चलेगी। बाइक चलाते समय केवल एक स्विच दबाकर पेट्रोल से सीएनजी पर जा सकते हैं या सीएनजी से पेट्रोल पर आ सकते हैं।

आरवीएनएल के शेयर ने निवेशक को किया मालामाल

- दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली ।

रेल विकास निगम लिमिटेड (आरवीएनएल) के शेयर ने शुक्रवार को लगातार तीसरे कारोबारी दिन अपनी बढ़त जारी रखी। इस दौरान इस शेयर ने निवेशकों को मालामाल कर दिया। शुक्रवार को ये शेयर 18.94 प्रतिशत की बढ़त के साथ 498.05 रुपये के रिकॉर्ड हाई लेवल पर पहुंच गया। हालांकि बाजार बंद होने तक यह शेयर 17.53 फीसदी की बढ़त के साथ 492.15 पर कारोबार कर रहा था। एक दिन में आरवीएनएल के शेयर का भाव 73.40 रुपये बढ़ गया। इसके साथ ही रेलवे की इस कंपनी का मार्केट कैप 1.02 लाख करोड़ पहुंच गया। स्टॉक मार्केट में आरवीएनएल के शेयर ने 52 सप्ताह में 498.50 का हाई बनाया है जबकि इतने ही समय में इस शेयर ने 17.05 का लोअर सर्किट भी लगाया है। रेल विकास निगम लिमिटेड ने हाल ही में दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर किया है, जिसके बाद से इसके शेयर के भाव में तेजी आ गई। इस एमओयू के तहत, आरवीएनएल मेट्रो, रेलवे, हाई स्पीड रेल, हाईवे, मेगाब्रिज, सुरंग, संस्थागत भवन, वर्कशॉप या डिपो,एसएंडटी कार्य, रेलवे विद्युतीकरण के लिए परियोजना सेवा प्रदाता के रूप में कार्य करेगा। रेल विकास निगम नई लाइनें, दोहरीकरण, गेज परिवर्तन, रेलवे विद्युतीकरण, मेट्रो परियोजनाएं, वर्कशॉप, पुल, केबल स्टे ब्रिज का निर्माण, संस्थान भवन आदि सहित सभी प्रकार की रेलवे परियोजनाओं को क्रियान्वित करने के व्यवसाय में है। आरवीएनएल ने इरकॉन इंटरनेशनल को एक बड़ा प्रोजेक्ट अवार्ड किया है। कंपनी ने जानकारी दी है कि इस ऑर्डर का साइज 750 करोड़ रुपये से ज्यादा का है।

चालू खरीफ सीजन में आलू, प्याज व टमाटर का बढ़ेगा रकबा

आलू, प्याज व टमाटर के तेजी से बढ़े भाव से उपभोक्ताओं को मिल सकती है राहत

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने कहा कि मॉनसून के कारण चालू खरीफ सीजन में आलू, प्याज तथा टमाटर की फसल के रकबे में बढ़ोतरी हो सकती है। इससे इन तीनों के ही तेजी से बढ़े दाम से उपभोक्ताओं को राहत मिलने की उम्मीद है। दिल्ली में टमाटर के खुदरा भाव 100 रुपये किलो तक पहुंच गए और कुछ शहरों में यह इससे भी महंगा बिक रहा है। प्याज की कीमत भी बढ़कर 60 रुपये किलो हो चुकी हैं। आलू के भाव भी पिछले साल से तेज हैं और यह खुदरा बाजार में 30 से 40 रुपये किलो बिक रहा है। कृषि मंत्रालय ने चालू खरीफ सीजन में 2.72 लाख हेक्टेयर टमाटर के रकबे का लक्ष्य रखा है, जो पिछले खरीफ सीजन के रकबा 2.67 लाख हेक्टेयर से अधिक है। मुख्य टमाटर उत्पादक क्षेत्रों जैसे आंध्र प्रदेश के चित्तूर और कर्नाटक के कोलार में टमाटर की फसल अच्छी हालत में है। कोलार में टमाटर की नई फसल अगले कुछ दिनों में बाजार में आने लगेगी। मध्य प्रदेश, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र और तमिलनाडु जैसे टमाटर उत्पादक राज्यों में भी खरीफ सीजन में टमाटर का रकबा बढ़ा है। दिल्ली में टमाटर के थोक भाव पिछले साल की तुलना में थोड़े कम हैं। हालांकि आंकड़े बताते हैं कि कुछ सप्ताह पहले दाम ज्यादा थे। रबी सीजन 2024 में प्याज के उत्पादन में थोड़ी कमी के बावजूद घरेलू बाजार में प्याज की आपूर्ति ठीक है। सरकार ने इस साल खरीफ सीजन में 3.16 लाख हेक्टेयर प्याज के रकबा का लक्ष्य रखा है। यह पिछले खरीफ सीजन से 27 फीसदी ज्यादा है। आधिकारिक बयान के मुताबिक प्रमुख खरीफ उत्पादक राज्य कर्नाटक में 30 फीसदी प्याज खेतों में लग चुकी है। कर्नाटक में इस खरीफ सीजन में प्याज के रकबा का लक्ष्य 1.5 लाख हेक्टेयर है। दूसरे प्रमुख प्याज उत्पादक राज्यों में भी प्याज बोआई का काम अच्छा चल रहा है। 2024 के रबी सीजन में 191 लाख टन प्याज का उत्पादन होने का अनुमान है, जो प्याज की घरेलू खपत 170 लाख टन को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। रबी वाले प्याज की कटाई के बाद मौसम शुष्क रहने से भी इस साल प्याज के भंडारण में कम नुकसान हुआ है। आलू रबी सीजन की फसल है। लेकिन इसका उत्पादन कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, मेघालय, महाराष्ट्र और तमिलनाडु में खरीफ सीजन में भी होता है। खरीफ सीजन वाला आलू सितंबर से नवंबर के बीच बाजार में उपलब्ध होता है।

बैजूस के पूर्व कर्मचारी भी बकाये वेतन को लेकर एनसीएलटी पहुंचे

नई दिल्ली ।

नकदी संकट से जूझ रही एडटेक फर्म बैजूस के 62 पूर्व कर्मचारियों ने अपने बकाये वेतन भुगतान नहीं करने पर कंपनी को राष्ट्रीय कंपनी विधि अधिकरण (एनसीएलटी) के बेंगलूरु पीठ में दिवालिया कार्यवाही का मामला दायर करने के लिए नोटिस भेजा है। बैजूस ट्यूशन सेंटर दिल्ली के पूर्व गणित शिक्षक और पूर्व कर्मचारियों के प्रे ति नि` धि ने कहा कि बेंगलूरु की कानूनी फर्म कैनवास लीगल ने 62 कर्मचारियों की ओर से 2.30 करोड़ रुपये से अधिक का डिमांड नोटिस भेजा है। डिमांड नोटिस में कर्मचारियों को पिछले साल से बकाया वेतन तुरंत देने की मांग की गई है। कंपनी द्वारा 4 जुलाई को भेजे गए पत्र में कहा गया है, हम आपसे अनुरोध करते हैं कि पत्र मिलने के 10 दिनों के भीतर बकाया परिचालन ऋण को बगैर किसी शर्त के पूरा चुकाएं और ऐसा नहीं करने पर हम थिंक ऐंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड (बैजूस की मूल कंपनी) के खिलाफ ऋण शोधन अक्षमता समाधान के तहत कार्यवाही शुरू करेंगे। बैजूस के 1,500 से अधिक नाराज पूर्व कर्मचारी भी अपने अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ने के लिए एकजुट हो गए हैं। उनमें से अधिकतर कर्मचारी अपने बकाया राशि के भुगतान के लिए कंपनी को एनसीएलटी के बेंगलूरु पीठ ले जाने की प्रक्रिया में हैं। कर्नाटक के श्रम मंत्री संतोष लाड ने हाल में थिंक ऐंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की थी। इसमें लाड ने भी पुराने कर्मचारियों का वेतन भुगतान करने के लिए कहा था।

म्युचुअल फंड उद्योग का एयूएम 60 लाख करोड़ के पास पंहुचा

मुंबई ।

शेयर बाजारों की तेजी और जोरदार निवेश के बदौलत म्युचुअल फंड उद्योग की औसत तिमाही प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियों (एयूएम) में लगातार दूसरी तिमाही (जून 2024) में करीब दो अंकों की वृद्धि हुई। औसत एयूएम 9 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 2024 की पहली तिमाही के 54.1 लाख करोड़ से बढ़कर जून तिमाही में 59 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गई। एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स इन इंडिया (एमफी) के आंकड़ों से इसकी जानकारी मिली। पिछली तिमाही में क्रमिक आधार पर करीब 10 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। फंडों की एयूएम में वृद्धि और बाजार की तेजी को मोटे तौर पर खुदरा निवेशकों से बल मिला है। शेयर बाजारों में उनका भरोसा बरकरार है जबकि कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। आगे भी खुदरा निवेश मजबूत बने रहने की उम्मीद है। एयूएम में वृद्धि नए निवेश और पोर्टफोलियो में मौजूद परिसंपत्तियों में बढ़त पर निर्भर करती है। पिछली कुछ तिमाहियों में दोनों मोर्चे पर बढ़त काफी ज्यादा रही है। 2024 के पहले पांच महीने में ऐक्टिव इक्विटी योजनाओं ने औसतन करीब 25,000 करोड़ रुपए का मासिक निवेश हासिल किया है। कैलेंडर वर्ष 2023 में औसत शुद्ध निवेश महज 13,465 करोड़ रुपए रहा था। एयूएम में बढ़ोतरी को हाइब्रिड फंडों व पैसिव योजनाओं में नए निवेश से भी सहारा मिला है। पैसिव फंडों (इनमें ईटीएफ, इंडेक्स फंड और ओवरसीज फंड शामिल) ने कैलेंडर वर्ष 2024 के पहले पांच महीने में शुद्ध रूप से 52,000 करोड़ रुपए का निवेश हासिल किया। पिछले साल 5,910 करोड़ रुपए के मुकाबले औसत मासिक निवेश 10,408 करोड़ रुपए रहा है। एसआईपी में मजबूत निवेश और ईपीएफओ व पेंशन फंडों से संस्थागत निवेश म्युचुअल फंडों और बाजार के लिए काफी मददगार रहा है।

बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण उच्च स्तर पर

नई दिल्ली । बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 449.88 लाख करोड़ रुपए के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में बीएसई सेंसेक्स में मामूली गिरावट के बावजूद बाजार पूंजीकरण रिकॉर्ड स्तर पर रहा। बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 4,49,88,985.87 करोड़ रुपए के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। बाजार के जानकारों ने कहा कि घरेलू बाजार में मिले-जुले रुझान के साथ कारोबार हुआ, जिसमें बैंक क्षेत्र का दबदबा रहा। जून तिमाही में शीर्ष बैंकों की जमा वृद्धि में तिमाही आधार पर गिरावट आने से चिंता और बढ़ गई। मझोली और छोटी कंपनियों के शेयरों ने बेहतर प्रदर्शन किया और संबंधित बीएसई सूचकांकों ने अब तक के उच्चतम स्तर को छुआ।

टेस्ला के पास भारत में निवेश के लिए नहीं है पैसा

-टेस्ला के अधिकारियों ने भारत सरकार से बातचीत की बंद

नई दिल्ली । जानीमानी कंपनी टेस्ला ने भारत सरकार को बताया है कि उसके पास अभी निवेश के लिए पैसे की कमी है। इसलिए वह फिलहाल भारत में पैसा नहीं लगाएगी। टेस्ला दुनियाभर में दिक्कतों का सामना कर रही है। उसकी कारों की बिक्री में लगातार दूसरी तिमाही में गिरावट आई है। चीन में उसे कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। अप्रैल में मस्क ने कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा की थी। टेस्ला का नया मॉडल साइबरट्रक भी उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाया है। मेक्सिको में टेस्ला के नए प्लांट का काम भी लेट हो गया है। मस्क अप्रैल में भारत आने वाले थे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी मिलने वाले थे। लेकिन उन्होंने कंपनी के कामों का हवाला देते हुए अपनी यात्रा रद्द कर दी। भारत सरकार ने विदेशी कंपनियों के लिए ईवी इम्पोर्ट टैक्स कम कर दिया है। लेकिन इसके लिए कंपनियों को भारत में 4,150 करोड़ रुपये का निवेश करना होगा और तीन साल के अंदर स्थानीय स्तर पर ईवी का उत्पादन शुरू करना होगा। अब भारत सरकार टाटा मोटर्स और महिंद्रा जैसी घरेलू कंपनियों पर निर्भर है। सरकार को उम्मीद है कि ये कंपनियां भारत में ईवी उत्पादन को बढ़ावा देंगी। सूत्रों ने कहा कि अगर टेस्ला भारत में निवेश करना चाहती है तो उसका स्वागत है। वह नई इम्पोर्ट टैक्स नीति का फायदा उठा सकती है। उन्होंने कहा, टेस्ला को नई इम्पोर्ट टैक्स नीति का फायदा उठाने के लिए अब भी स्वागत है, अगर मस्क फिर से बातचीत शुरू करते हैं तो। बता दें कि एलन मस्क की कंपनी टेस्ला भारत में पैसा नहीं लगाएगी। भारत में उसकी निवेश की योजना को न के बराबर ही माना जा रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, टेस्ला के अधिकारियों ने भारत सरकार से बातचीत बंद कर दी है। अप्रैल में एलन मस्क ने भारत आने का प्लान कैंसिल कर दिया था। तब से टेस्ला ने भारत सरकार से कोई बात नहीं की है।

सरकार ने स्टील, एल्युमीनियम के बर्तनों पर आईएसआई मार्क अनिवार्य किया

नई दिल्ली । सरकार ने स्टेनलैस स्टील और एल्युमीनियम के रसोई के बर्तनों का राष्ट्रीय गुणवत्ता मानकों के अनुरूप होना अनिवार्य कर दिया है। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने कहा कि यह फैसला उपभोक्ता सुरक्षा तथा उत्पाद की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रलय के तहत उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने 14 मार्च को गुणवत्ता नियंत्रण आदेश जारी कर रसोई के इन बर्तनों के लिए आईएसआई मार्क अनिवार्य कर दिया था। बीआईएस ने भारतीय मानक संस्थान (आईएसआई) चिह्न को निर्धारित किया है। यह उत्पाद की गुणवत्ता तथा सुरक्षा का आश्वासन देता है। बीआईएस के अनुसार आदेश में ऐसे किसी भी स्टेनलेस स्टील या एल्युमीनियम बर्तनों के विनिर्माण, आयात, बिक्री, वितरण, भंडारण या प्रदर्शन पर प्रतिबंध लगाया गया है जिन पर बीआईएस मानक चिह्न न हो। बयान में कहा गया` कि आदेश का अनुपालन न करने पर जुर्माना लगाया जाएगा, जो उपभोक्ता सुरक्षा तथा उत्पाद अखंडता के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। यह कदम बीआईएस द्वारा रसोई के सामान के लिए हाल ही में तैयार किए गए व्यापक मानकों के अनुरूप है, जिसमें स्टेनलेस स्टील के लिए आईएस 14756:2022 और एल्युमीनियम के बर्तनों के लिए आईएस 1660:2024 शामिल हैं। मानकों में सामग्री की आवशय्कताएं, डिजाइन विनिर्देश और प्रदर्शन मापदंड शामिल होते हैं।

सेंसेक्स और निफ्टी में इस सप्ताह भी तेजी बरकरार रही

मुंबई ।

वैश्विक बाजारों से` मिले पो जि टिव संकेतों की वजह से बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में सप्ताह भर तेजी देखी गई। हालों कि शुक्रवार को शेयर बाजार में` गिरावट के बावजूद सेंसेक्स लगभग 80000 अंकों पर बंद हुआ। बीते पांच कारोबारी` दिनों पर नजर डालें तो सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को घरेलू शेयर बाजार में बढ़त देखने को ` मिली। बीएसई का सेंसेक्स 198.05 (0.25त) अंकों की बढ़त के साथ 79,230.78 पर खुला और 443.46 अंकों की बढ़त के साथ 79,476.19 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 56.91 अंक चढ़कर 24,067.50 पर खुला और 131.36 अंक चढ़कर 24,141.95 पर बंद हुआ। मंगलवार को प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक सर्वकालिक उच्च स्तरों से पीछे हट गए। सेंसेक्स दिन के उच्च स्तर 79,855 से 600 अंक से अधिक गिरकर 79,236 पर खुला और 34.74 अंक फिसलकर 79,441.45 पर बंद हुआ। जबकि निफ्टी 50 शुरुआती सत्र में 24,200 के स्तर को छूने के बाद 24,100 पर आ गया और हल्की कमजोरी के बाद 24,123.85 पर बंद हुआ। बुधवार को रिकॉर्ड स्तरों पर कारोबार की शुरुआत हुई। इस दौरान पहली बार सेंसेक्स 460.66 अंक मजबूत होकर 80 हजार के पार पहुंच गया और 545.35 अंकों की मजबूती के साथ 80 हजार के करीब पहुंच कर 79,986.80 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 134.31 अंक चढ़कर 24,258.15 पर खुला और 162.66 अंक उछलकर 24,286.50 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स और निफ्टी में बुधवार को निजी बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में उछाल से मजबूती आई। गुरुवार को सेंसेक्स 186.29 अंक की तेजी के साथ 80,173.09 अंक पर खुला और 350.81 अंक की तेजी के साथ 74,227.63 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी भी 61.40 अंक चढ़कर 24,347.90 अंक पर खुला और 80.00 अंक की बढ़त के साथ 22,514.70 अंक पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 500 अंकों तक फिसलकर 80,000 के स्तर पर खुला और 53.07 अंकों की गिरावट के साथ 79,996.60 पर बंद हुआ। निफ्टी 92.21 अंक नीचे गिरकर 24,217.85 के स्तर पर खुला और 21.70 अंकों की बढ़त के साथ 24,323.85 के स्तर पर हरे निशान पर बंद होने में सफल रहा।

मोटोरोला का आरएक्सेडआर 50 अल्ट्रा लांच

-4-इंच का कवर डिस्प्ले, शानदार है कैमरा

नई दिल्ली । भारत में मोटोरोला आरएक्सेडआर 50 अल्ट्रा को लॉन्च हो चुका है। ये फोल्डेबल स्मार्टफोन क्वालकॉम के स्नैपड्रेगन 8एस जेन 3 प्रोसेसर पर चलता है। ये कंपनी का लेटेस्ट क्लैमशेल-स्टाइल वाला फोल्डेबल स्मार्टफोन है। इसमें 4-इंच का लार्ज कवर डिस्प्ले दिया गया है। ये वाटर रेजिस्टेंस के लिए आईपीएक्स8 रेटेड है। फोन में 4,000एमएएच की बैटरी भी दी गई है। मोटोरोला आरएक्सेडआर 50 अल्ट्रा के सिंगल 12जीबी रैम प्लस 512जीबी वेरिएंट की कीमत 99,999 रुपये रखी गई है। इसे मिडनाइट ब्लू, स्प्रिंग ग्रीन और पीच फज कलर ऑप्शन में उतारा गया है। इसकी बिक्री अमेजन प्राइम डे 2024 सेल के दौरान की जाएगी। ये सेल 20 जुलाई से शुरू होगी। इसे ग्राहक मोटोरोला की साइट औक लीडिंग रिटेल स्टोर्स से भी खरीद पाएंगे। इसमें रिलायंस डिजिटल भी शामिल है। कंपनी ग्राहकों के लिए 5,000 रुपये की विशेष छूट की पेशकश कर रही है और इससे प्रभावी कीमत 94,999 रुपये हो जाएगी। इसके अलावा, खरीदार चुनिंदा बैंक कार्ड के जरिए भुगतान करने पर 5,000 रुपये की इंस्टैंट बैंक डिस्काउंट का भी फायदा उठा सकते हैं। साथ ही ग्राहकों को यहां नो-कॉस्ट ईएमआई जैसे ऑप्शन्स भी ग्राहकों को दिए जा रहे हैं। ये फोन स्नैपड्रेगन 8 एस जेन 3 प्रोसेसर पर चलता है और इस प्रोसेसर को 12जीबी तक एलपीडीडीआर एक्स रैम और 512जीबी यूएफएस 4.0 स्टोरेज के साथ पेयर किया गया है। फोटोग्राफी के लिए फोन के रियर में आउटर में 50एमपी प्राइमरी कैमरा और 50एमपी टेलीफोटो कैमरा (2गुणा ऑप्टिकल जूम) दिया गया है। इसके लिए इनर डिस्प्ले में 32 एमपी का कैमरा भी है।मोटोरोला रेजर 50 अल्ट्रा एक डुअल-सिम (नैनो सिम प्लस ईसिम) है जो एंड्रॉयड 14 पर चलता है और इसमें 6.9-इंच फुल- एचडी प्लस (1,080गुणा2,640 पिक्सल) एलटीपीओ पी एलईडी इनर डिस्प्ले है जिसमें 165 एचझेड रिफ्रेश रेट, 300एचझेड टच सैंपलिंग रेट और 413पीपीआई पिक्सल डेनसिटी है। रेजर 50 अल्ट्रा के कवर डिस्प्ले में 4 इंच (1,080 गुणा 1,272 पिक्सल) एलटीपीओ पी एलईडी पैनल है जिसमें 165 एचझेड रिफ्रेश रेट और एचडीआर 10प्लस सपोर्ट है। इसमें आगे की तरफ कॉर्निंग गोरिल्ला ग्लास विक्टस प्रोटेक्शन और पीछे की तरफ वेगन लेदर कोटिंग है। फ्रेम एल्युमीनियम से बना है।

भारत में निवेश न करने के फैसले से नुकसान में रहेगा टेस्ला: ओला कैब

- टेस्ला की आर्थिक चुनौतियों के कारण कंपनी भारत में और निवेश नहीं करेगी

नई दिल्ली ।

ओला कैब्स के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि भारतीय बाजार में निवेश न करने का टेस्ला का फैसला अमेरिका की इस कंपनी के लिए एक बड़ा नुकसान है। भारत के लिए नहीं। एक्स पर एक पोस्ट में अे धिकारी ने कहा कि अगर यह सच है, तो यह टेस्ला का नुकसान है, भारत का नहीं। हालांकि भारत में इलेक्ट्रिक वाहन और लिथियम का क्षेत्र अभी शुरुआती दौर में है, लेकिन हम तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। जब टेस्ला कुछ सालों बाद फिर से भारत को गंभीरता से देखेगी, तब तक बहुत देर हो चुकी होगी। एक रिपोर्ट के अनुसार, टेस्ला ने भारतीय अधिकारियों की पूछताछ का जवाब नहीं दिया है और अब उम्मीद नहीं है कि वह भारत में निवेश करेगी। यह खबर एलन मस्क के भारत दौरे को टालने के बाद आई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि टेस्ला की आर्थिक चुनौतियों के कारण कंपनी भारत में और निवेश की योजना नहीं बना रही है। टेस्ला की ग्लोबल सेल्स इस तिमाही में लगातार दूसरी बार कम हुई है और उसे चीन से कड़ा कंपटीशन मिल रहा है। इसके अलावा, कंपनी ने नौकरियों में कटौती की घोषणा की है, अपने मुख्य साइबरट्रक स्टॉल को बेच दिया है और मेक्सिको में अपने प्लांट के निर्माण को टाल दिया है। रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि अब सरकार भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के उत्पादन को बढ़ाने के लिए महिंद्रा एंड महिंद्रा और टाटा मोटर्स जैसी घरेलू कंपनियों पर ध्यान दे सकती है। अप्रैल में मस्क ने भारत की यात्रा रद्द कर दी थी, जहां वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने वाले थे। बताया जा रहा है कि यह यात्रा कंपनी में जरूरी कामों के कारण रद्द हुई।

इस साल मार्च में, भारत सरकार ने 41.5 अरब रुपए (500 मिलियन डॉलर) की इलेक्ट्रिक वाहन नीति को मंजूरी दी थी। इस नीति में वैश्विक ईवी निवेश को आकर्षित करने और भारत को एडवांस ईवी के लिए एक बड़ा निर्माण केंद्र बनाने के लिए कई प्रोत्साहन दिए गए हैं।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 651.99 अरब डॉलर हुआ

मुंबई । देश का विदेशी मुद्रा भंडार 28 जून को समाप्त सप्ताह में 1.71 अरब डॉलर घटकर 651.99 अरब डॉलर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक ने यह जानकारी दी। पिछले सप्ताह कुल मुद्रा भंडार 2.92 अरब डॉलर घटकर 652.89 अरब डॉलर रहा था। इस साल सात जून को भंडार 655.82 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक 28 जून को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 1.25 अरब डॉलर घटकर 572.88 अरब डॉलर रही। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। रिजर्व बैंक ने कहा कि समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान स्वर्ण आरक्षित भंडार का मूल्य 42.7 करोड़ डॉलर घटकर 56.53 अरब डॉलर रह गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 3.5 करोड़ डॉलर घटकर 18.01 अरब डॉलर रहा। रिजर्व बैंक ने कहा कि आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास भारत की आरक्षित जमा 10 लाख डॉलर बढ़कर 4.57 अरब डॉलर रहा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादकः **जितेन्द्र चौधरी**, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in